घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 182- सोमवार 04 - मई 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव : 293 सीटों पर आज मतगणना

एक सीट पर 21 मई को मतदान...काउंटिंग सेंटर पर कड़ी सुरक्षा...

कोलकाता,03 मई 2026। राज्य के 77 केंद्रों पर मतगणना होगी। व्यापक सुरक्षा व्यवस्था और तनावपूर्ण राजनीतिक माहौल के चलते 294 सीटों वाली विधानसभा में से 293 सीटों के नतीजे आज घोषित किए जाएंगे। चुनाव आयोग ने दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान रद्द कर दिया है, जिसका कारण बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर मतदान के दौरान गंभीर चुनावी अपराध और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का उल्लंघन बताया गया है। इस सीट पर नए सिरे से मतदान और मतगणना क्रमशः 21 मई और 24 मई को होगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने 294 में से 200 से अधिक सीटें जीतने का दावा किया है। जबकि भाजपा का कहना है कि इस बार उनकी सरकार बनने की पूरी उम्मीद है। टीएमसी और भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा ने मिलकर चुनाव लड़ा है। टीएमसी ने 291 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे, जबकि तीन सीटों पर बीजीपीएम ने उम्मीदवार उतारे। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान हुए थे। 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को। एग्जिट पोल प।बंगाल को लेकर बंटा हुआ दिख रहा है। कुछ ने भाजपा की जीत, तो कुछ ने टीएमसी की जीत का दावा किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि 2021 और 2024 के एग्जिट पोल भी वास्तविक परिणामों से काफी अलग रहे थे और अधिकांश ऐसे सर्वे शेयर बाजार को प्रभावित करने के उद्देश्य से किए जाते हैं। बनर्जी ने कहा कि यदि किसी सीट पर तृणमूल उम्मीदवार 200-300 मतों के अंतर से हारता है, तो मतगणना एजेंट पुनर्गणना की मांग अवश्य करें। उन्होंने निर्देश दिया, कोई भी एजेंट मतगणना प्रक्रिया पूरी होने से पहले केंद्र नहीं छोड़े। अभिषेक ने मतगणना एजेंटों को 2021 में नंदीग्राम मतगणना केंद्र पर अचानक बिजली गुल होने की घटना याद दिलाते हुए कहा...वे (एजेंट)मतगणना केंद्रों के भीतर किसी भी असामान्य गतिविधि की तुरंत पार्टी नेतृत्व को सूचना दें। चुनाव निगरानी संस्था के अनुसार स्वतंत्रता के बाद से राज्य में अब तक की सबसे अधिक 92।47 प्रतिशत मतदान हुआ। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के चलते चुनावी हिंसा न्यूनतम रही और हाल के दशकों में राज्य के चुनावी इतिहास में पहली बार कोई मौत नहीं हुई। यह 20 वर्षों में राज्य में आयोजित पहला चुनाव था,जो व्यापक,मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया के बाद हुआ। 90 लाख से अधिक मतदाताओं को हटा दिया गया था। इस प्रक्रिया का सभी दलों के चुनावी भविष्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

असम विधानसभा चुनाव : 126 विधानसभा क्षेत्रों की 40 मतदान केंद्रों पर मतगणना आज

गुवाहाटी,03 मई 2026। मतगणना के लिए चुनाव आयोग पूरी तरह से तैयार है। असम के 40 मतगणना केंद्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आज सुबह 8 बजे से मतगणना प्रक्रिया शुरू होगी। आज तय होगा 126 विधानसभा क्षेत्रों के 722 उम्मीदवारों का भाग्य। उल्लेखनीय है कि, हाल ही में 09 अप्रैल को एक ही चरण में राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ था। इस बार राज्य में रिकॉर्ड संख्या के 85.5 प्रतिशत मतदान हुआ। यह राज्य के लिए रिकॉर्ड मतदान था। इस बार सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 90 सीटें, असम गण परिषद (अगप) ने 26 सीटें, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने 11 सीटें, कांग्रेस ने 99 सीटें, असम जातीय परिषद (अजाप) ने 10 सीटें, राइजर दल ने 13 सीटें, झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने 19 सीटें, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) ने 17 सीटें, सीपीआई ने 5 सीटें, नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने 2 सीटें, अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) ने 27 सीटें, तृणमूल कांग्रेस ने 23 सीटें, आम आदमी पार्टी (आआपा) ने 20 सीटें, सीपीआई (एम) ने 2 सीटें, सीपीआई (एमएल) ने 2 सीटें, ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस (एपीएचएलसी) दल ने 2 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। साथ ही 259 उम्मीदवारों ने निर्दलीय के रूप में प्रतिस्पर्धा किया है।

मतगणना का राजनेताओं के साथ ही राज्य जनता भी बड़ी बेसब्री के साथ इंतजार कर रही हैं। सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दोनों अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। जीत किसकी होगी, मतों की गिनती के बाद साफ हो जाएगा।

मिशन दृष्टि सफलतापूर्वक लॉन्च, पीएम मोदी ने गैलेक्सीआई टीम को दी बधाई

अब मौसम आपदा,कृषि और सीमा निगरानी से जुड़ी तस्वीरें प्रभावी ढंग से मिलेगी

नई दिल्ली,03 मई 2026। बेंगलुरु स्थित एक निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप गैलेक्सी आई द्वारा विकसित उपग्रह मिशन दृष्टि रविवार को स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट की मदद से लॉन्च किया गया। इस उपग्रह से मौसम आपदा के असर, कृषि और सीमा निगरानी से जुड़ी तस्वीरें प्रभावी ढंग से मिल सकेंगी। पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट के जरिए गैलेक्सीआई के संस्थापकों और पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा- गैलेक्सीआई द्वारा शुरू किया गया मिशन दृष्टि अंतरिक्ष यात्रा में एक अहम उपलब्धि है। विश्व के पहले ऑप्टोसार उपग्रह और भारत में निर्मित सबसे बड़े निजी उपग्रह का सफल प्रक्षेपण, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारे युवाओं के जुनून का प्रमाण है। गैलेक्सीआई के संस्थापकों और पूरी टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। रविवार को 190 किलोग्राम वजनी मिशन दृष्टि कैलिफोर्निया से लॉन्च किया गया। यह किसी भारतीय निजी कंपनी द्वारा निर्मित अब तक का सबसे बड़ा उपग्रह है। इस विशेष उपग्रह की विशेषता यह है कि इसमें एक ही उपग्रह पर मल्टीस्पेक्ट्रल कैमरा और सिंथेटिक एपर्चर रडार इमेजर लगा हुआ है। दृष्टि मिशन का मूल आधार ऑप्टोसार नामक एक नवीन हाइब्रिड प्रणाली है, जो एक ही प्लेटफॉर्म पर ऑप्टिकल इमेजिंग और सिंथेटिक एपर्चर रडार को संयोजित करने वाली तकनीक है। परंपरागत रूप से उपग्रह या तो ऑप्टिकल सेंसर या फिर रडार पर निर्भर करते हैं।

ऑप्टिकल सिस्टम तस्वीरों के समान विस्तृत और कलर्ड फोटो कैप्चर करते हैं, लेकिन बादल छाए रहने और अंधेरे से जमीनी तस्वीर स्पष्ट नहीं मिलती है। दूसरी ओर रडार सिस्टम बादलों के पार देखने के लिए रेडियो तरंगों का उपयोग करते हैं और रात में भी काम करते हैं, हालांकि वे आमतौर पर कम स्पष्ट छवियां उत्पन्न करते हैं। ऑप्टोसार एक ही उपग्रह में दोनों तकनीकों को एकीकृत करके इस अंतर को पाटता है। यह एक ही बार में ऑप्टिकल और रडार डाटा को एक साथ कैप्चर करता है, फिर आउटपुट को एक एकीकृत छवि में मिलाता है। परिणामस्वरूप हर मौसम में बादलों के रहते हुए भी पृथ्वी की अत्यंत विस्तृत तस्वीरें मिल सकेंगी।

दिल्ली में 4 मंजिला बिल्डिंग में आग,9 की मौत

इनमें डेढ़ साल का बच्चा शामिल,15 लोग बचाए गए,एसी में ब्लास्ट की आशंका

नई दिल्ली,03 मई 2026। दिल्ली के शाहदरा इलाके के विवेक विहार में एक चार मंजिला बिल्डिंग में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें 4 पुरुष, 4 महिलाएं और एक डेढ़ साल का बच्चा शामिल है। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, उन्हें सुबह करीब 3.47 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। 4 घंटों की मशक्कत के बाद सुबह करीब 8 बजे आग पर काबू पाया गया। बिल्डिंग के अंदर फंसे 10 से 15 लोगों को बचाया गया। इनमें दो लोग घायल हुए हैं। मृतकों के शव बिल्डिंग के अलग-अलग फ्लोर से बरामद किए गए। स्थानीय पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि कुछ शव इतने बुरे तरह जल चुके हैं कि सिर्फ कंकाल बचा है। डीएनए टेस्ट के बाद ही मृतकों का पता चल पाएगा। हादसे को लेकर कुछ लोगों का कहना है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। वहीं कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि एसी में धमाके के बाद आग फैली। फिलहाल अधिकारियों की तरफ से असली कारण की पुष्टि नहीं हुई है।

बिल्डिंग के पिछले हिस्से में ज्यादातर शव मिले : दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारी मुकेश वर्मा ने बताया कि चार मंजिला बिल्डिंग के हर फ्लोर पर दो 4बीएचके फ्लैट हैं। आग बिल्डिंग के पिछले हिस्से में लगी थी और वहीं सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। 6 फ्लैट्स का सामान जल गया। डीएफएस के मुताबित, खिड़कियों और बालकनी पर ग्रिल और लोहे की रॉड लगी थीं, जिससे रेस्क्यू में दिक्कत आई। फिर भी करीब 15 लोगों को बचाया। इनमें से एक व्यक्ति करीब 30% तक जल गया था, जिसे इलाज के लिए गुरु तेग बहादुर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

राजनाथ सिंह और हर्ष मल्होत्रा ने जताया शोक

दिल्ली के विवेक विहार इलाके में रविवार तड़के एक चार मंजिला रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने से नौ लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने गहरा दुख व्यक्त किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, 'दिल्ली के विवेक विहार में हुए भीषण अग्निकांड में जानमाल की हानि से मैं अत्यंत व्यथित हूं। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। साथ ही, मैं इस हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'

9 मृतकों के नाम सामने आए,लेकिन पहचान मुश्किल

दिल्ली पुलिस के अनुसार, बिल्डिंग के पहले फ्लोर से 1 शव, दूसरे फ्लोर से 5 शव और सीढ़ियों से 3 शव मिले, जहां दरवाजा बंद था। आशंका है कि लोगों ने छत पर भागकर जान बचाने की कोशिश की थी। दूसरे फ्लोर पर मिले मृतकों की पहचान अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी अनीता जैन (58), बेटे निशांत जैन (35), बहू आंचल जैन (33) और डेढ़ साल के पोते आकाश जैन के रूप में हुई। तीसरे फ्लोर पर नितिन जैन (50), उनकी पत्नी शैले जैन (48) और बेटे सम्यक जैन (25) मृत पाए गए। पहले फ्लोर पर शिखा जैन (45) का शव मिला, जबकि उनके पति नवीन जैन (48) घायल हो गए।

मप्र के बरगी क्रूज हादसे में आखिरी शव भी मिला,मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हुई

जबलपुर,03 मई 2026। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में नर्मदा नदी पर बने बरगी बांध में हुए क्रूज हादसे के बाद से चल रहे राहत एवं बचाव कार्य के बीच रविवार को एक और लापता व्यक्ति का शव भी बरामद कर लिया गया। इसके बाद हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। बरगी सिटी सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि जबलपुर के बरगी क्रूज हादसे में रविवार सुबह 9.40 बजे कामराज आर. का शव निकाला गया। इससे पहले सुबह करीब 6 बजे उनके 8 साल के भतीजे मयूरन की शव मिला था। वह त्रिची (तमिलनाडु) से आया था। हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे के पहले दिन 30 अप्रैल को 4 शव, दूसरे दिन 5, तीसरे दिन 2 और रविवार को चौथे दिन दो शव मिले। मृतकों में चार बच्चे और आठ महिलाएं शामिल हैं। सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि एहतियात के तौर पर आज दिनभर सर्चिंग अभियान चलाया जाएगा। गौरतलब है कि बाते गुरुवार (30 अप्रैल) को शाम तेज आंधी-तूफान के चलते मप्र टूरिज्म का पर्यटकों से भरा क्रूज बरगी डैम में डूब गया था। क्रूज में करीब 47 पर्यटक सवार थे। जानकारी मिलते ही पुलिस और जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की मदद से शुरुआत दो दिनों में तक चले राहत एवं बचाव अभियान के दौरान 29 लोगों को बचा लिया गया था। कुछेक पर्यटक तैरकर भी किनारे आ गए थे।

गुरुग्राम में खौफनाक वारदात,सनकी शख्स ने पत्नी और चार बच्चों को उतारा मौत के घाट

गुरुग्राम,03 मई 2026। गुरुग्राम के वजीरपुर इलाके से एक बेहद दर्दनाक और हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। शनिवार देर रात एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि पति नाजिम ने अपनी पत्नी और चार छोटे-छोटे बच्चों को जहर दे दिया और फिर खुद भी सुसाइड करने की कोशिश की। नाजिम मुरादाबाद का रहने वाला था और गुरुग्राम में किराए के मकान में परिवार के साथ रहता था। वह यहां सैलून चलाकर अपने परिवार का खर्च चलाता था। करीब सात साल पहले उसने दिल्ली की रहने वाली नजमा से प्रेम विवाह किया था। दोनों ने साथ जीने-मरने की कसमें खाई थीं, लेकिन किसी को नहीं पता था कि एक दिन ऐसा खौफनाक मोड़ आएगा। इस घटना में 35 साल की नजमा और उनके चार बच्चों इकरा (14 साल), सिफा (12 साल), खतिना (10 साल) और आयन (8 साल) की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पहले नाजिम ने सभी को जहर दिया और उसके बाद खुद की नस काट ली।

बीजेपी का बड़ा आरोप : सुवेंदु बोले...मतगणना से पहले अधिकारियों की ड्यूटी जानकारी लीक

कोलकाता,03 मई 2026। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ अधिकारी अपनी ड्यूटी, स्थान और जिम्मेदारियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी विभागीय संगठनों और संघों के साथ साझा कर रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से मामले पर तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे सोमवार को होने वाली मतगणना प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर असर पड़ सकता है और पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता खतरे में आ सकती है।

भाजपा ने ईसी से की शिकायत : सुवेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया पोस्ट के साथ कुछ व्हाट्सएप मैसेज के स्क्रीनशॉट भी शेयर किए। उन्होंने कहा कि यह चुनाव संबंधी नियमों का एक गंभीर उल्लंघन है। भाजपा नेता ने कहा, 'मतगणना प्रक्रिया की पवित्रता और विश्वसनीयता, इसमें शामिल कर्मियों की तैनाती की गोपनीयता पर निर्भर करती है। इस गोपनीयता का कोई भी उल्लंघन परिणामों की निष्पक्षता को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। जब किसी अधिकारी की तैनाती का विशिष्ट विवरण किसी राजनीतिक झुकाव वाले संगठन या संघ को पता चल जाता है, तो इससे अनावश्यक राजनीतिक प्रभाव और दबाव (धमकी) की गुंजाइश बन जाती है।' भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि मैंने लक्ष्मीनारायण मंदिर में पूजा की। भगवान हमारे साथ हैं। सनातन की रक्षा करने वाली सरकार आ रही है। फालटा विधानसभा क्षेत्र में पुनर्मतदान पर उन्होंने कहा कि हर बार अंत में देश में लोकतंत्र की ही जीत होती है। ऐसी स्थिति उत्तर प्रदेश और बिहार में भी थी, लेकिन वहां का जंगलराज खत्म हो गया।

अधिकारी ड्यूटी जानकारी कर रहे हैं लीक : सुवेंदु

भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मेरे संज्ञान में यह बात आई है कि मतगणना के दिन ड्यूटी के लिए तैनात कई अधिकारी कथित तौर पर अपनी ड्यूटी का विवरण, स्थान और पदनाम अपने-अपने विभागीय संगठनों और संघों को बता रहे हैं। मुझे यह जानकारी मिली है कि कुछ स्प्रेडशीट और सूचियां प्रसारित की जा रही हैं, जिनमें अधिकारी अपनी 'चुनाव ड्यूटी की जानकारी' स्वेच्छा से या किसी दबाव में भर रहे हैं। इसमें मतगणना प्रक्रिया के दौरान उनकी विशिष्ट भूमिकाओं का विवरण भी शामिल है।

चेन्नई एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा : चलते प्लेन का इमरजेंसी गेट खोलकर बाहर कूदा पैसेंजर,एक घंटे बंद रहा रनवे

चेन्नई,03 मई 2026। रविवार तड़के चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उस समय हड़कंप मच गया, जब शारजाह से आई एयर अरेबिया की फ्लाइट से एक यात्री ने अचानक इमरजेंसी एग्जिट खोलकर नीचे छलांग लगा दी। विमान में कुल 231 यात्री सवार थे। गनीमत रही कि इस खतरनाक घटना में किसी को चोट नहीं आई और बड़ा हादसा टल गया। अधिकारियों के अनुसार,घटना लैंडिंग के तुरंत बाद हुई,जब विमान मुख्य रनवे से हटकर टैक्सीवे पर धीमी गति से आगे बढ़ रहा था। इसी दौरान 34 वर्षीय एक यात्री ने अचानक आपातकालीन दरवाजा खोल दिया और नीचे कूद गया। घटना से विमान में सवार यात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई। पायलट ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए विमान को रोका और ग्राउंड सिक्योरिटी को अलर्ट कर दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यात्रा के दौरान यात्री की तबीयत खराब हो गई थी। उसे घबराहट और उल्टी की शिकायत थी, और बताया जा रहा है कि उसने फ्लाइट में दो बार उल्टी भी की थी। आशंका जताई जा रही है कि इसी बेचैनी के कारण उसने यह कदम उठाया। घटना के तुरंत बाद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवान मौके पर पहुंचे और यात्री को हिरासत में ले लिया।

अग्रिम जमानत के बाद दिल्ली पहुंचे पवन खेड़ा इंदिरा भवन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

नई दिल्ली,03 मई 2026। उच्चतम न्यायालय से अग्रिम जमानत मिलने के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन पहुंचे। जहां पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इससे पहले दिल्ली पहुंचने पर हवाई अड्डे पर भी पार्टी कार्यकर्ताओं ने खेड़ा का फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया। इसके बाद वह सीधे इंदिरा भवन पहुंचे। पत्रकारों से बातचीत में पवन खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व लगातार चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है लेकिन आयोग की ओर से कोई जवाब नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान हमेशा संकट के समय में सहारा देता है। जब भी कोई व्यक्ति मुश्किल में होता है या किसी दमनकारी सरकार के खिलाफ संघर्ष करता है, तब संविधान ही उसकी रक्षा करता है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा से जुड़े मानहानि मामले में पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दी है।

कौशांबी में मिट्टी का टीला ढहने से मां-बेटी समेत तीन की मौत

कौशांबी,03 मई 2026। उत्तर प्रदेश में जनपद कौशांबी के मंझनपुर थाना क्षेत्र में रविवार को खुदाई के दौरान मिट्टी का टीला ढहने से उसके मलबे में छह से अधिक लोग दब गए। जब तक ग्रामीणों ने सभी को निकालकर अस्पताल पहुंचाया तब तक मां-बेटी सहित तीन लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने घटना की जांच पड़ताल की। सीओ सदर शिवांक सिंह ने बताया कि कौशाम्बी जनपद के मंझनपुर तहसील अंतर्गत चाकथामा गांव की कुछ महिलाएं रविवार को अपने मकान और चुल्हे की पुताई के लिए गांव के पास बने तालाब में मिट्टी की खुदाई करने गई थी।

भारत में प्रेस की आजादी को बड़ा झटका : 157 वें नंबर पर फिसला देश,पाकिस्तान और श्रीलंका भी हमसे आगे

नई दिल्ली,03 मई 2026। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर भारतीय मीडिया जगत के लिए एक ऐसी खबर आई है जिसने सबको सोच में डाल दिया है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, प्रेस की आजादी के मामले में भारत अब 180 देशों की सूची में 157 वें स्थान पर पहुंच गया है। रायपुर से लेकर दिल्ली तक के मीडिया के गलियारों में इस गिरावट की चर्चा तेज है क्योंकि पिछले साल भारत 151 वें नंबर पर था। यानी भारत सीधे 6 पायदान नीचे खिसक गया।

पाकिस्तान और श्रीलंका से भी पीछे हुआ भारत : हैरानी की बात तो यह है कि इस बार हमारे पड़ोसी देश जैसे पाकिस्तान (153) और श्रीलंका (134) भी हमसे बेहतर स्थिति में नजर आ रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस रैंकिंग में गिरावट की सबसे बड़ी वजह पत्रकारों पर बढ़ते कानूनी मामले और सुरक्षा का अभाव बताया जा रहा है। भारत की स्थिति को रिपोर्ट में अति गंभीर श्रेणी में रखा गया है। भारत को पत्रकारों के लिए दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक माना गया है, जहां हर साल औसतन 2 से 3 पत्रकारों की जान उनके काम के कारण जाती है। पत्रकारों पर मानहानि,यूएपीए और राष्ट्रीय सुरक्षा कानूनों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। इंटरनेट शटडाउन के मामले में भी भारत की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

संपादकीय

वैश्विक संकट बना अमेरिका-ईरान का टकराव

होर्मुज समुद्री मार्ग पर ईरान के आधिपत्य जमाने की कोशिश और इसके जवाब में अमेरिका की ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी के चलते पूरे विश्व में ऊर्जा का न केवल संकट बरकरार है, बल्कि वह गहराता भी जा रहा है। जहां अमेरिका ईरान के तेल टैंकरों को नहीं निकलने दे रहा है, वहीं ईरान होर्मुज से तेल और गैस लेकर आ रहे जहाजों को रास्ता नहीं दे रहा है। एक तरह से दोनों देश अड़ियल रवैया अपनाए हुए हैं। यह तब है,जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम भी कायम है।

फिलहाल इस युद्धविराम से दुनिया को कोई लाभ नहीं मिल रहा है, क्योंकि पश्चिम एशिया का संकट यथावत है और होर्मुज पहले की तरह बाधित है। ट्रंप ने युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाने के बाद जब ईरान पर परमाणु मसले पर जल्द समझौते के लिए दबाव डालना शुरू किया तो प्रारंभ में तो वह इस दबाव का प्रतिकार करते दिखा,लेकिन अपने बंदरगाहों की अमेरिकी नाकेबंदी से वह अब कुछ बेचैन दिख रहा है। इसका कारण यह है कि वह जिस तेल का उत्पादन कर रहा है,उसका निर्यात नहीं कर पा रहा है और उसके पास अब और अधिक तेल के भंडारण की क्षमता नहीं बची। ऐसे में उसे अपने तेल कुओं को बंद करना पड़ सकता है। इसके नतीजे में उन्हें स्थायी रूप से नुकसान पहुंच सकता है। शायद इसी कारण ईरान ने पाकिस्तान के जरिये अमेरिका को नया प्रस्ताव भेजा, लेकिन वह ट्रंप को रास नहीं आया। देखना है कि इसके बाद ईरान क्या करता है और ट्रंप क्या करते हैं?

यदि ईरान परमाणु मसले पर समझौते से इन्कार करता रहता है तो ट्रंप उसे नए सिरे से निशाना बना सकते हैं,लेकिन उनके लिए ऐसा करना आसान नहीं होगा, क्योंकि पश्चिम एशिया संकट को लेकर वे अपने घर में ही आलोचना से घिर गए हैं। उनके रक्षा मंत्री विपक्षी डेमोक्रेट सांसदों को यह बता पाने में नाकाम हैं कि ईरान के खिलाफ चले 40 दिन के युद्ध में अमेरिका को क्या हासिल हुआ? अमेरिका और ईरान के बीच पहले दौर की वार्ता विफल होने और दूसरे दौर की वार्ता कराने में पाकिस्तान के नाकाम हो जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने संकट सुलझाने के लिए रूसी राष्ट्रपति पुतिन से बात की,लेकिन इससे भी बात बनती नहीं दिखी। इस बातचीत में रूस ने ईरान के संवर्धित यूरेनियम को अपने पास रखने का प्रस्ताव दिया,लेकिन इस पर बात तभी आगे बढ़ सकेगी, जब ईरान सहमत होगा।

आज यक्ष प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम कायम रहेगा या नहीं,बल्कि यह है कि होर्मुज समुद्री मार्ग खुलेगा या नहीं? यदि यह समुद्री मार्ग नहीं खुलता तो तेल और गैस के दाम नीचे आने वाले नहीं और यदि वे इसी तरह बढ़ते रहे तो पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था डगमगा सकती है। कई देशों में तो तेल और गैस के दाम बढ़ भी गए हैं। इसका प्रतिकूल असर उद्योग-धंधों के साथ रोजगार पर भी पड़ रहा है। अभी तक भारत को केवल एलपीजी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। सरकार को इस किल्लत के बीच कमर्शियल सिलिंडरों के दाम बढ़ाने पड़े हैं। पिछले कुछ समय से कारखानों में इस्तेमाल होने वाली गैस की कमी भी देखी जा रही है और उनका उत्पादन प्रभावित हो रहा है। कहीं-कहीं श्रमिकों के काम के घंटों और दिनों में भी कटौती होने लगी है। एक समस्या यह भी है कि निर्यातक अपना सामान खाड़ी के देश नहीं भेज पा रहे हैं। इसी तरह खाड़ी देशों से तेल और गैस के अलावा अन्य उत्पाद भी नहीं आ पा रहे हैं। इसका भी असर उद्योगों पर पड़ रहा है।

जहां तेल के दाम 125 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गए हैं, वहीं रुपया डॉलर के मुकाबले 95 के स्तर को लांघ गया है। यह भारत के लिए दोहरा संकट है, क्योंकि इससे आयात बिल बढ़ रहे हैं। कच्चे तेल के बढ़ते मूल्यों और रुपये में गिरावट से महंगाई बढ़ने का खतरा है। अब तो इसकी भी आशंका है कि तेल कंपनियों को अपना घाटा कम करने के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम भी बढ़ाने पड़ सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो महंगाई का तेजी से बढ़ना तय है। महंगाई बढ़ने से आम आदमी के समक्ष संकट तो बढ़ेगा ही, सरकार के लिए भी मुश्किलें बढ़ जाएंगी। सरकार कुछ भी दावा करे, उसके लिए बहुत दिनों तक पेट्रोल और डीजल के मूल्य स्थिर रखना कठिन होगा। यह ध्यान रहे कि कच्चे तेल के बढ़े दामों के बोझ से आम आदमी को बचाने के लिए सरकार पहले ही अपने टैक्स राजस्व में कटौती कर चुकी है।

इसके तहत पिछले माह पेट्रोल और डीजल,दोनों पर उत्पाद शुल्क में कमी की गई थी, लेकिन आगे उसके लिए ऐसा करना कठिन होगा। सरकार ने अभी तक भले ही पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर रखे हों, लेकिन उसे कमर्शियल सिलिंडर के दाम बढ़ाने के साथ विदेशी अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के दाम बढ़ाने पड़े हैं। इसके चलते अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा मंहगी हुई। गत दिवस फिर से एटीएफ के मूल्य बढ़ाए गए। इससे अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा और महंगी होना तय है। कुछ एयरलाइंस की घरेलू यात्रा भी महंगी हो गई है। स्पष्ट है इसका असर आम लोगों के साथ आर्थिकी पर भी पड़ेगा। ऐसा नहीं है कि केवल गैस की ही किल्लत देखने को मिल रही है। चूंकि उर्वरक उत्पादन में प्राकृतिक गैस का उपयोग होता है, इसलिए उसके भी दाम बढ़ने और उसकी आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। तारकोल भी पेट्रोलियम रिफाइनिंग का एक उप-उत्पाद है और देश में उसकी भी कमी देखी जा रही है।

यदि अमेरिका और ईरान के बीच तनातनी जारी रहती है और होर्मुज समुद्री मार्ग नहीं खुलता तो पश्चिम एशिया का संकट पूरी दुनिया के लिए कहीं बड़े संकट में तब्दील हो जाएगा। इसके लिए केवल अमेरिका और इजरायल ही नहीं, बल्कि ईरान भी दोषी होगा,क्योंकि अब वह भी हठधर्मिता दिखा रहा है। जहां अमेरिका चाह रहा है कि ईरान अपने यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को स्थगित करे, वहीं पहले इसी मसले पर अमेरिकी प्रतिनिधियों से बात कर रहे ईरानी नेता अब यह कह रहे हैं कि इस पर कोई समझौता नहीं हो सकता। स्पष्ट है कि ईरान का यह रुख न तो अमेरिका को स्वीकार होगा,न इजरायल को और न ही खाड़ी देशों को।

वर्ल्ड लाफ्टर डे : बिना वजह हँसिए,क्योंकि यही असली जीना है...

कृति आर.के.जैन
बड़वानी,मध्यप्रदेश

हँसी : वह भाषा,जो दर्द को भी समझना सिखा देती है
हँसी को कारण मत दीजिए,इसे जीने का हिस्सा बनाइए

चेहरे पर जमी थकान की परतें और आँखों में ठहर गया तनाव कई बार मुस्कान को भी एक औपचारिक अभिनय जैसा बना देते हैं। इसी बीच 04 मई को मनाया जाने वाला वर्ल्ड लाफ्टर डे समय की धारा में एक ऐसा विराम बनकर आता है,जो मन के भीतर जमा बोझ को हिलाकर हल्कापन की ओर मोड़ देता है। यह स्पष्ट करता है कि मनुष्य केवल जिम्मेदारियों का बोझ ढोने वाला अस्तित्व नहीं है,बल्कि उसके भीतर एक सहज,जीवंत और स्वतः प्रकट होने वाली ऊर्जा छिपी होती है, जो बिना किसी कारण पूरे वातावरण को हल्का कर सकती है। हँसी कोई सजावटी भाव नहीं,बल्कि भीतर जमे तनाव को पिघलाकर जीवन को पुनः सरल,खुला और सांस लेने योग्य बनाने वाली स्वाभाविक प्रक्रिया है।

मुंबई के एक साधारण पार्क की जमीन पर खड़ा वह छोटा-सा प्रयोग आज दुनिया के कोने-कोने में फैल चुकी एक शांत लेकिन गहरी क्रांति का रूप ले चुका है। डॉ. मदन कटारिया ने जब हँसी को बिना किसी चुटकुले, बिना मंच और बिना प्रदर्शन के एक साधना के रूप में प्रस्तुत किया, तब यह विचार लोगों को असामान्य और नया लगा था। लेकिन समय के साथ यह पहल केवल अभ्यास नहीं रही,बल्कि हजारों लोगों की दिनचर्या में शामिल होने लगी। आज अनेक देशों में सुबह के समय लोग समूह बनाकर बिना किसी कारण के हँसते हैं। यह दृश्य साधारण मनोरंजन से आगे बढ़कर एक मानसिक पुनर्जागरण जैसा प्रतीत होता है,जहाँ हर व्यक्ति कुछ क्षणों के लिए अपने भीतर जमा तनाव और बोझ को छोड़कर हल्केपन का अनुभव करता है। शरीर के भीतर चल रही सूक्ष्म प्रक्रियाओं पर यदि ध्यान दिया जाए तो हँसी एक ऐसी शक्ति प्रतीत होती है, जिसका असर किसी अदृश्य उपचार से कम नहीं होता। जब व्यक्ति खुलकर हँसता है, तो भीतर तनाव उत्पन्न करने वाले तत्व धीरे-धीरे कम होने लगते हैं और मन में हल्कापन बढ़ने लगता है। श्वास की लय बदल जाती है,हृदय की गति संतुलित होने लगती है और मानसिक दबाव धीरे-धीरे कम होता चला जाता है। इसी कारण अनेक चिकित्सकीय अध्ययन हँसी को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी मानते हैं। यह बिना किसी लागत के प्राप्त होने वाली ऐसी प्राकृतिक ऊर्जा है, जो शरीर और मन दोनों को संतुलन और स्थिरता की दिशा में ले जाती है।

हँसी का सबसे विलक्षण गुण यही है कि उसे समझने के लिए किसी शब्द या अनुवाद की आवश्यकता नहीं पड़ती। एक ठहाका दुनिया के किसी भी कोने में समान अर्थ और समान प्रभाव रखता है, चाहे वह किसी भी संस्कृति या समाज से जुड़ा हो। जब दो अनजान लोग भी एक साथ हँस पड़ते हैं,तो उनके बीच की अनदेखी दूरी कुछ ही क्षणों में मिटने लगती है। इसी वजह से वर्ल्ड लाफ्टर डे केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रह जाता,बल्कि मानवता को जोड़ने वाला एक सशक्त सेतु बन जाता है। यह दिन यह भी स्पष्ट करता है कि दुनिया को एकजुट करने के लिए बड़े-बड़े शब्दों की नहीं, बल्कि सच्ची, सहज और दिल से निकली मुस्कान की आवश्यकता होती है।

डिजिटल युग में हँसी का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। मोबाइल स्क्रीन, छोटे वीडियो और मीम्स ने मनोरंजन को आसान जरूर बना दिया है,लेकिन असली हँसी धीरे-धीरे पीछे छूटती जा रही है। वास्तविक हँसी केवल चेहरे तक सीमित नहीं रहती,बल्कि पूरे शरीर को हल्का और तरोताजा कर देती है। यह दिन याद दिलाता है कि हँसी देखने या पढ़ने की चीज नहीं, बल्कि जीने की अनुभूति है। जब परिवार या मित्रों के बीच बिना कारण ठहाके गूंजते हैं, तो वही पल जीवन की सबसे सच्ची याद बन जाते हैं।

न उम्र की दीवार,न पद की पहचान– हँसी हर इंसान के भीतर समान रूप से धड़कती एक सहज शक्ति है, जो बस बाहर आने का रास्ता चाहती है। लाफ्टर क्लबों में जब लोग बिना किसी कारण ठहाके लगाने लगते हैं, तो वह शुरुआत में अभ्यास लगता है,लेकिन कुछ ही समय में वही हँसी सच्ची प्रसन्नता में बदलकर मन का भार उतार देती है। धीरे-धीरे यह स्थिति आदत नहीं, स्वभाव बन जाती है, जो भीतर जमा तनाव को हल्केपन में बदल देती है। यह अनुभव साफ कर देता है कि खुशी बाहर तलाशने की चीज नहीं,बल्कि भीतर ही मौजूद वह ऊर्जा है जिसे केवल जगाने की जरूरत होती है।

सामाजिक जीवन में हँसी एक अदृश्य मरहम की तरह काम करती है, जो रिश्तों की कठोरता को सहज ही नरम कर देती है। जहाँ तनाव बढ़ता है, वहाँ एक हल्की मुस्कान भी पूरे माहौल की दिशा बदल सकती है। कार्यस्थलों पर हल्कापन रहने से संवाद सहज होता है और सहयोग बढ़ता है। वर्ल्ड लाफ्टर डे केवल एक दिन नहीं, बल्कि सोच और व्यवहार को नई दिशा देने का अवसर है। जब लोग साथ हँसते हैं,तो उनके बीच की अनदेखी दीवारें कमजोर होती हैं और विश्वास मजबूत होकर समाज को सकारात्मक बनाता है।

जीवन की भीड़ में अक्सर लोग गंभीरता को ही सब कुछ मान लेते हैं, लेकिन असली संतुलन हँसी में छिपा होता है। यह बिना किसी मूल्य के मिलने वाली वह शक्ति है जो मन के अंधकार को घटाकर रिश्तों में सहज गर्माहट भर देती है। जब इंसान हँसना सीख लेता है, तो उसका नजरिया बदल जाता है और जीवन को देखने का ढंग भी नया हो जाता है। वर्ल्ड लाफ्टर डे यही संदेश देता है कि गंभीरता जरूरी है,पर हल्कापन उससे भी ज्यादा आवश्यक है। हँसी वह ऊर्जा है जो इंसान को भीतर से जीवित रखती है और दुनिया को अधिक मानवीय बनाती है।

बदबू के बीच खुशबू की तलाश

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

चमेली ने अभी पत्तल में दो सूखी रोटियाँ और नमक-मिर्च की चटनी करीने से सजाई ही थी कि गलियारे में जूतों की चरमराहट गूँजी। पेट के भीतर चूहे कत्थक कर रहे थे और बाहर सूरज खोपड़ी पर तांडव मचा रहा था। चमेली! ओ चमेली! जल्दी आ,तीसरी बी में लड़के ने उल्टी कर दी है। सब बजबजा रहा है,चपरासी ने मुँह बिगाड़कर सूचना दी। चमेली के हाथ में निवाला था,आँखों में भूख की नमी। उसने डबडबाई आँखों से दफ्तर की ओर देखा जहाँ पंखे की हवा में हेडमास्टर साहब अपनी तोंद सहला रहे थे। साहब,बस दो कौर खा लूँ... सुबह से चाय की एक घूँट भी न उतरी हलक से,उसने गिड़गिड़ाते हुए कहा। उसकी आवाज में वही थरथराहट थी जो पतझड़ के आखिरी पत्ते में होती है। साहब ने चश्मा नाक पर टिकाया और बोले, भोजन? यह सरस्वती का मंदिर है चमेली,कोई ढाबा नहीं। घंटी बजने वाली है,क्या बच्चे उस दुर्गंध में क ख ग घ सीखेंगे? पहले सफाई,फिर शिष्टाचार। चमेली के सामने उसकी भूख एक अपराधी की तरह सिर झुकाए खड़ी थी। वह उठी, हाथ धोए नहीं बल्कि पोंछ लिए,क्योंकि साफ पानी तो केवल साहब के सुराही में था।

वह कक्षा की ओर बढ़ी। गलियारे में पसरी हुई वह गंध शिक्षा की गरिमा को चुनौती दे रही थी। बच्चे नाक पर रुमाल दबाए ऐसे देख रहे थे जैसे चमेली ही उस गंदगी की जननी हो। उसने बाल्टी उठाई। फिनाइल की तीखी गंध और उस अर्द्ध-पचित भोजन के ढेर के बीच एक अजीब सा युद्ध छिड़ा था। वह झुककर पोंछा लगाने लगी। हर रगड़ के साथ उसका अपना खाली पेट मरोड़ खा रहा था। जल्दी कर चमेली,देर हो रही है,मास्टर जी ने दूर से ही डंडा फटकारा। चमेली को लगा कि वह जमीन नहीं, अपनी ही अंतड़ियों को साफ कर रही है। साहब का तर्क पत्थर की लकीर था–ज्ञान के मार्ग में दुर्गंध का क्या काम? चाहे वह दुर्गंध किसी भूखे पेट की आह से निकल रही हो या किसी बीमार बच्चे के पेट से। उसने एक-एक कण को ऐसे समेटा जैसे अपनी ही खुशियों के अवशेष बटोर रही हो। फिनाइल के सफेद झाग में उसकी भूख का रंग कहीं ओझल हो गया था। काम खत्म हुआ। पसीने से तर-बतर चमेली वापस अपनी पत्तल के पास पहुँची। रोटियाँ अब पत्थर हो चुकी थीं और चटनी पर मक्खियाँ अपना साम्राज्य स्थापित कर चुकी थी। उसने कांपते हाथों से जल का लोटा उठाया। तभी हेडमास्टर साहब टहलते हुए आए। देख लिया न? काम पहले है। अब चैन से खाओ,आत्मानुभूति के साथ,उन्होंने एक ऐसी मुस्कान फेंकी जो किसी भी गरीब की पत्तल में जहर घोलने के लिए काफी थी। चमेली ने निवाला तोड़ा। पर वह क्या? उसके गले में कुछ अटक गया। उसे लगा कि वह गंध,वह फिनाइल,वह घृणा सब उसके निवाले में समा गए हैं। उसने जोर से अपनी आँखें मीचीं। साहब मुस्कुरा रहे थे,जैसे उन्होंने एक बड़ा तीर मार लिया हो। चमेली को लगा कि उसका गला घुट रहा है। वह भागकर नल की ओर गई, पर पानी सूखा था। साहब, आखिर किसका बच्चा था वह? इतनी कम उम्र में इतना बदबूदार खाना? चमेली ने हाँफते हुए पूछा। उसकी आवाज में एक रिरियाहट थी,एक टीस थी जो शायद साहब के कोट के बटन तक भी नहीं पहुँच सकती थी। साहब ने बड़ी शान से अपनी घड़ी देखी और बोले, अरे वह... वह तो मेरा ही छोटा वाला था। आज सुबह उसे घी के परांठे और बादाम का हलवा खिला दिया था,शायद पच नहीं पाया। कलक्टर बनेगा वह,अभी से पेट भारी रखने की आदत डाल रहा है। चमेली का हाथ रुक गया। उसने अपनी पत्तल की ओर देखा जहाँ सूखी रोटी उसका मजाक उड़ा रही थी। एक अजीब सा सन्नाटा पूरे स्कूल में पसर गया। पंखा चल रहा था,पर हवा कहीं मर गई थी। चमेली की आँखों से एक आँसू टपका और सीधे नमक की डली पर जा गिरा।

अचानक चमेली खिलखिलाकर हँस पड़ी। ऐसी हँसी जो श्मशान के सन्नाटे को चीर दे। साहब ठिठक गए। पागल हो गई है क्या? उन्होंने डाँटा। चमेली ने अपनी पत्तल उठाई और उसे कूड़ेदान में उलट दिया। उसने अपनी साड़ी के पल्लू से हाथ पोंछे और साहब की आँखों में आँखें डालकर बोली,साहब, आपका लाल कलक्टर जरूर बनेगा। आखिर उसके पेट का कचरा साफकरने के लिए भी तो उसने एक माँ को ही चुना। पर अफसोस, आज मैंने आपके बेटे की उल्टी साफनहीं की। साहब भड़के, क्या बक रही है? अभी तो तूने रगड़-रगड़ कर फर्श चमकाया है! चमेली ने मुस्कुराते हुए अपनी कोख पर हाथ रखा और कहा, साहब,वह मेरा अपना बेटा था, जो आज सुबह से भूखा होने के कारण क्लास में गश खाकर गिरा और पित्त उगल दिया। मैं जिसे साहब का लाल समझकर साफ कर रही थी,वह मेरे ही खून का आखिरी अंश था जो भूख बर्दाश्त नहीं कर पाया। शिक्षा के मंदिर में आज एक माँ ने अपने ही बच्चे की भूख को फिनाइल से धो दिया। साहब का चेहरा सफेद पड़ गया,जैसे किसी ने उनके चेहरे पर वही फिनाइल उड़ल दी हो। चमेली स्कूल के गेट से बाहर निकल रही थी, पीछे मुड़कर उसने नहीं देखा कि मंदिर की घंटी बज रही थी या किसी का जमीर।

बारात,संस्कार और बदलता समाज

डॉ. प्रियंका सौरभ
हिसार हरियाणा

एक समय था जब बारात का आना केवल एक परिवार का दूसरे परिवार तक पहुँचना नहीं, बल्कि पूरे गाँव का उत्सव माना जाता था। घर-आँगन सजते थे,पंगत लगती थी,गीत गाए जाते थे, बुज़ुर्ग आशीर्वाद देते थे और मेहमानों की आवभगत को सम्मान का प्रश्न समझा जाता था। आज वही बारात कई जगहों पर समय की घड़ी में इतनी सिमट गई है कि पूरा आयोजन फटाफट जाओ,गटागट खाओ, सटासट लिफाफा पकड़ाओ और झटाझट वापस आओ की शैली में बदलता दिखता है।

यह बदलाव केवल खानपान या आयोजन की शैली का नहीं है; यह सामाजिक संबंधों, सामूहिकता और भारतीय विवाह-संस्कृति की आत्मा में आए परिवर्तन का संकेत है। पहले विवाह एक लंबी सामाजिक प्रक्रिया हुआ करती थी, जिसमें रिश्ते बनते थे, पड़ोस जुड़ता था और संस्कार पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थानांतरित होते थे। अब बहुत-सी शादियाँ एक दिन के कार्यक्रम, होटल या गेस्ट हाउस और सीमित औपचारिकताओं में पूरी हो जाती हैं, जिससे परंपरा का विस्तार सिकुड़कर रस्म-अदायगी में बदलने लगा है।भारतीय विवाह केवल दो व्यक्तियों का निजी समझौता नहीं रहा है;वह हमेशा से परिवार,समुदाय और संस्कृति का साझा आयोजन रहा है। ग्रामीण समाज में बारात का अर्थ था मेहमानों का खुला स्वागत,सामूहिक भोजन, लोकगीत,हँसी-मज़ाक और रिश्तों की गरिमा का सार्वजनिक प्रदर्शन। भोजन का पंगत में परोसा जाना,दूल्हे का पारंपरिक वेश, समधी की पगड़ी, घर के आँगन में बनी अस्थायी सजावट और रात भर का ठहराव–ये सब विवाह को संस्कार बनाते थे, साधारण समारोह नहीं।

इसी सामाजिक ढाँचे में मेहमान का मान बढ़ाना,उसे ठहराना,उसकी देखभाल करना और उसके साथ अपनापन बाँटना एक नैतिक कर्तव्य समझा जाता था। बाराती केवल खाने वाले आगंतुक नहीं थे; वे आने वाले नए रिश्ते के प्रतिनिधि थे। इसलिए उनका स्वागत भी उतना ही आत्मीय और विस्तृत होता था जितना स्वयं विवाह का अर्थ। यही कारण है कि पुराने लोग आज की जल्दी-जल्दी निपटने वाली शादियों को देखकर अक्सर कहते हैं–अब शादी रही कहाँ,बस कार्यक्रम रह गया। इस भावना में केवल शिकायत नहीं,बल्कि एक सांस्कृतिक सच भी छिपा है। समय बदला है, जीवन-शैली बदली है और विवाहों पर भी उसका असर पड़ा है। शहरीकरण, महँगाई, नौकरीपेशा जीवन, सीमित अवकाश,यातायात और आयोजन-व्यवस्था की नई सुविधाओं ने शादियों को छोटा और नियंत्रित बनाया है। आज कई परिवार बड़े आयोजन के बजाय कम समय में सब कुछ निपटाना चाहते हैं, ताकि मेहमानों पर बोझ न पड़े और मेज़बान पर आर्थिक दबाव भी कम रहे। यह व्यावहारिक दृष्टि है,लेकिन इसके साथ परंपरागत आत्मीयता का कुछ हिस्सा खो भी जाता है। गेस्ट हाउस, बैंक्वेट हॉल,कैटरिंग और तयशुदा टाइम-स्लॉट ने विवाह को अधिक व्यवस्थित तो बनाया है, पर अधिक औपचारिक भी। पहले जहाँ बाराती रुकते थे, अब वे भोजन करके लौट जाते हैं। पहले जहाँ रस्मों के साथ गीत और सामूहिक सहभागिता होती थी,अब कई जगह DJ, फोटो-सत्र और स्टेज-इवेंट मुख्य आकर्षण बन गए हैं।

सृष्टि के सर्जनहार प्रकाश ब्रह्म भगवान राम हैं...

संजय गोस्वामी,
दुंदी बाजार,पटना बिहार

चार वेद में मूलभूत भूल थी है जिसमें व्यासजी जैसे ऋषि-मुनियों ने चार वेद का दोहन करके अपने अपने विरोधाभासी मत दर्शाकर मतभेद खड़े किये है और खट-पट बढ़ गई है। नेति नेति का हार्द समझें बिना ही अनंत ब्रह्मांड में ऊँकार के स्वरुप में सर्वव्यापक प्रकाश ब्रह्म है जो सृष्टि के सर्जनहार का परम प्रकाश ब्रह्म है। उस सर्जनहार की विश्व में कोई यथार्थ खोज नहीं कर पाया इसलिए चार वेद से चली आई भूल दिन दूना रात चौगुना बढ़ती ही गई जो थमने का नाम नहीं रही है। हररोज एक नया भगवान और देवी पैदा होती ही रहती है। क्यों कि कवियों की काल्पनिक मनगढ़ंत तथ्यहीन रसिक कविताओं और वाणीयों रुप वाणी विलास में जगत फंस गया है। जगत में आज तक न किसी को निज चैतन स्वरुप अंश का यथार्थ बोध है और न सृष्टि के सर्जनहार का बोध है, फिर भी च्युंइगम की तरह वाणी विलास के नशे में चबाते हुए सब मस्त है जैसे कि उनको परमपद की प्राप्ति अभी इसी वक्त हो गई हो। जब भीतर ही परमात्मा का बोध दृढ़ हो जाए,तब भय मिट जाता है क्योंकि रक्षक और रक्षित का भेद ही नहीं रहता – वही शरण,वही शरणागत हो जाता है। बुद्धि से आगे कि यात्रा के लिए प्रेम ही सहारा है। संसारीक पदार्थों से विरक्ति होने पर प्रेम कि शुरुआत होती है। भोगों का दमन नहीं करा जा सकता क्योंकि मन द्वारा उत्पन्न सृष्टि का भोक्ता मन ही है। ये ऐसा ही है जैसे चित्रकार कागज को भुलाकर उसमें बने हुए चित्रों को ही भोग रहा है : परिवार है समाज है कुटुंब इत्यादि है धन सम्पत्ति मान मर्यादा इतना सब जीवन भर मेहनत करके जोड़ा उसका त्याग सरल नहीं होता है : शरीर और संसार में अहं भाव है ही नहीं। अहं है कहां किसमें जानने मानने में है। अनजाने में भी है। ज्ञान अज्ञान में भी। जनाइये मैं कौन हूं हूं भाव कौन सवाल मैं संकेत मात्र हूं या नहीं भाव हैं। अहं न देह में है न संसार में, वह केवल जानने वाले मैं हूँ के स्फुरण में है – और जब यह स्फुरण भी किसमें उठ रहा है यह देखो,तो मैं केवल साक्षी का संकेत मात्र रह जाता है, भाव नहीं।! राम कथा के तेई अधिकारी । जिन्ह के सत संगति अति प्यारी।। सत्संग श्रवण कीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा। एक मृत शरीर है और एक जीवित शरीर है दोनों ही पर सुर्य का प्रकाश पड रहा है एक शांत है और दुसरे में प्राण है। सुर्य कि दृष्टि से दोनों ही सुर्य के विषय है और सुर्य दोनों का विषयेता । तीनो ही सतय बनकर स्थित है ये बुद्धि का विचार है धारणा है मन का निश्चय है। यदि अचानक से पता चले कि ये जो कुछ भी देखा वो स्वप्न में देखा तो कोई एक सत्ता ऐसी भी हैं जो सुर्य को भी प्रकाशित कर रही है। अब एक मृत शरीर है एक जीवित शरीर है एक बुद्धि है एक सुर्य है और एक वो सत्ता भी है जो इन सबको स्वप्न में एक क्षण में रच लेती है आजकल तत्त्वदर्शी तत्त्ववेत्ता केवल एक ही पूरे विश्व में है और वह राजनीति में कृष्ण की तरह से है।वह उत्तर भारत में प्राप्त है उसके प्रवचन फोटो भी इस साइट पर आए हैं। परन्तु उसके बारे में जानकारी देने वाले उचित-अनुचित से अनभिज्ञ हैं। जिस महात्मा के बारे में जानकारी दी गई है उसके चेले उचित-अनुचित से अनभिज्ञ हैं मैंने पहले ही बता दिया है। चेले को यह साफ़ साफ़ स्पष्ट रूप से देखें जा सकते हैं कि उन्होंने क्या सीखा है? और उस महापुरुष को अपने स्वभाव से ख़राब करते रहते हैं। एक उपले रखने के लिए बरसात में बटिहा जिसमें उपले सूखें रहें बनाया जाता है। तब उसमें से उपले ही निकलते हैं उसी तरह से कुछ महात्माओं के चेले निम्न श्रेणी के फंसे हुए रहते हैं और वह उस महापुरुष को अपने स्वभाव से बदनाम करते रहते हैं। इतना समय हो गया उस महापुरुष का शिष्य यहां पर किसी का भी समाधान नहीं कर सका है जबकि वह बड़े बड़े लेख लिखने से अपने को महात्मा रूप में व्यक्त करता है गुरु को कभी नहीं। कैसा कलियुग आ गया है।अन्त में राम नाम सत्य है का स्मरण करने का कारण यह है कि जब मनुष्य अंतिम समय में होता है तो बहुत ज्यादा कष्ट में होता क्योंकि वो माया की जाल में जकड़ा रहता है और जैसे ही प्राण त्याग देता है तब जो मनुष्य अपने जीवन काल में जितना गलत करता है उतना उस आत्मा को गुस्सा आती है और इसलिए किसी किसी के मरते वक्त शरीर कभी डरावना या चेहरा गुस्से में आंख जीभ निकला हुआ रहता है जो सत्य कर्म करते हैं उसका शरीर अंतिम समय एक शांत सा गहरी निद्रा में दिखाई देता है मरने के बाद आत्मा शरीर के पास ही रहती है जिसे कई वैज्ञानिकों ने यन्त्र से देखा है लेकिन वो शरीर में इसलिए नहीं जाती क्योंकि उसे अपने जीवन में किये गए गलत कार्यों से नफरत होता और फिर जब राम नाम सत्य है का उद्घोष होता है तो आत्मा में चेतना होती है अतः वह पुनः भगवान राम की खोज में निकल पे ता है और जब सभी बुरे कर्मो का कष्ट भोगता है तो धीरे धीरे राम के प्रकाश जो पुरी दुनिया कों रोशनी देता है उसकी ओर चलकर पुनः शरीर कों प्राप्त करता है यदि भटकाव 36 करो योनियों से होकर जाता है जो संत होते हैं वो प्रभु का स्मरण करते करते शरीर त्याग कर समाधि लगा लेते हैं और उसी के आसपास रहते हैं जो हमें किसी ने बताया जब एक समाधि स्थल पर गया कि यहाँ हवन पूजा होती है और बाबा रात में कई कों दिखे हैं और कल्याण करते हैं इसकी सच्चाई मुझे मालूम नहीं है लेकिन एक चीज जो रामायण में सुना है कि अहिल्या जब मुनि के श्राप से पत्थर बन गई थी बाद में भगवान राम ने उसे पुनः जीवन दिया इससे मैं ऐ समझता हूँ कि पहले जब पत्थर बनी तो चेतना चली गई और निर्जीव हो गई ठीक उसी प्रकार मनुष्य मरा और निर्जीव हो गया बाद में जब राम नाम सत्य है का उद्घोष हुआ तो आत्मा पुनः जीवन पाने के लिए भगवान राम की शरण में जाने हेतु संघर्ष से सामना यानि अनेक योनि में भटकाव हुआ और बाद में करुणामई भगवान राम ने पुनः उसे जीवन दिया., अतः सृष्टि के सर्जनहार प्रकाश ब्रह्म भगवान राम हैं इसमें कोई संशय नहीं है।

मांग रहे भोले से वो पल

कार्तिकेय सीताराम त्रिपाठी राम
इन्दौर,मध्यप्रदेश

मांग रहा भोले से वो पल,
बिखर गए जो रेती-से,
गढ़ूं भक्ति के बीज मैं उनमें,
फसल उगाऊं खेती-से।
मांग रहा भोले से ...
धरा पर जितने कंकर उतने,
नाम लिखूं मैं शंकर के,
शब्द शहद-से मीठे सारे,
भाव उठें बस अंतर-से।
मांग रहा भोले से ...
सन-सन करती पवन बहे जो,
कानों में क्या-क्या कह जाए,
सुर में डूबें ताल सभी फिर,
मंद-मंद भोले मुस्काएं।
मांग रहा भोले से ....
कल-कल कर सागर की लहरें,
नाम भोले का गाएं,
कानों में रस घोल-घोल कर,
जीवन सफल बनाएं।
मांग रहा भोले से .....
फूलों की खुशबू से उपवन,
जब सुरभित हो जाए,
डाल-डाल इठलाकर कोयल,
गीत भोले के गाए।
मांग रहा भोले से ....

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

सिलमा में अचानक उतरा मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर

खाट पर बैठकर सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं....

'सुशासन तिहार 2026' के तहत जन चौपाल में लिया जमीनी हकीकत का जायजा,मौके पर समाधान का दिया निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 मई 2026
(घटती-घटना)।
सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सिलमा के शांतिपारा में रविवार को उस वक्त खास माहौल बन गया,जब विष्णु देव साय का हेलीकॉप्टर अचानक गांव में उतरा। मुख्यमंत्री ने बिना किसी औपचारिकता के खाट पर बैठकर ग्रामीणों के बीच जन चौपाल लगाई और सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं।

मौके पर सुनी समस्याएं, अधिकारियों को दिया सख्त निर्देश

मुख्यमंत्री ने जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों से योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति जानी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर आवेदन का समयसीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं,बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

आर्थिक मदद और बिजली बिल माफी का भरोसा

ग्राम सुआरपारा निवासी राजेश शुक्ला ने आर्थिक परेशानी बताते हुए बिजली बिल माफी और सहायता की मांग की। मुख्यमंत्री ने तत्काल संज्ञान लेते हुए उनकी स्थिति के अनुरूप बिजली बिल माफी की प्रक्रिया शुरू करने और आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस निर्णय से लाभार्थी भावुक हो उठे और मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

'सरकार अब खुद पहुंचेगी गांव-गांव'

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सुशासन तिहार 2026' प्रशासनिक कार्यप्रणाली में सकारात्मक बदलाव का अभियान है। 40 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम के तहत अब अधिकारी और प्रशासन स्वयं गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनेंगे और मौके पर समाधान करेंगे।

विकास कार्यों का लिया फीडबैक

इस दौरान मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी भी ग्रामीणों से ली और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से सीधे संवाद कर फीडबैक प्राप्त किया।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की रही मौजूदगी

कार्यक्रम में राजेश अग्रवाल (पर्यटन मंत्री), प्रबोध मिंज (लूण्ड्रा विधायक), मंजूषा भगत (महापौर) एवं कलेक्टर अजीत वसंत सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सरगुजा जिले के ग्राम सिलमा में अचानक उतरा मुख्यमंत्री साय का हेलीकॉप्टर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड के ग्राम पंचायत सिलमा के शांतिपारा पहुंचे, जहां उन्होंने जन चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने न केवल योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का जायजा लिया,बल्कि आम नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निराकरण के निर्देश भी दिए। जन चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री साय के समक्ष अपनी समस्याएं और मांगें रखीं,जिन पर मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन का समयसीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री के इस त्वरित निर्णय से भावुक हुए राजेश शुक्ला ने कहा कि वे लंबे समय से अपनी समस्या को लेकर परेशान थे,लेकिन आज मुख्यमंत्री ने स्वयं उनकी बात को गंभीरता से सुना और समाधान का भरोसा दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह चौपाल उनके लिए राहत और विश्वास का माध्यम बनी है।

मुख्यमंत्री साय से लखपति दीदियों ने साझा किए अनुभव

जनचैपाल में लखपति दीदी महिमा एक्का ने मुख्यमंत्री श्री साय को बताया कि वे बिहान स्वसहायता समूह से 2019 से जुड़ी हुई हूँ। मैंने समूह से 60 हजार का लोन लिया था, जिससे मैंने गांव में ही एक छोटा फूडकोर्ट शुरू किया, आज उस फूडकोर्ट के जरिए मैं अच्छी इनकम कर रही हूं। मेरी सालाना आय 2 से 2.5 लाख रुपए है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय का धन्यवाद देते हुए उनका आभार व्यक्त किया। वहीं लखपति दीदी संगीता तिर्की ने मुख्यमंत्री को बताया कि मैंने लोन ले के पोल्ट्री फार्म खोला है,2 लाख रुपए तक वार्षिक आय हो जाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इसी तरह मेहनत करें आगे बढ़ें और करोड़पति बनें। अर्चना तिग्गा ने बताया कि उनके पास खेती के लिए भूमि थी,लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक नही थी। समूह से जुड़कर मैंने लोन लिया और सीजनल खेती करना शुरू किया। अभी एक एकड़ में मैंने खीरा लगाया है, जिससे अच्छी आमदनी हो रही है।

सीतापुर गैंगरेप मामला : मेडिकल रिपोर्ट पर सवाल,पुलिस-डॉक्टर की भूमिका जांच के घेरे में

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 मई 2026
(घटती-घटना)।
सीतापुर थाना क्षेत्र में नाबालिगों के साथ हुए कथित गैंगरेप मामले को लेकर अब राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर सवाल तेज हो गए हैं। पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने सरगुजा पुलिस महानिरीक्षक को पत्र लिखकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मेडिकल रिपोर्ट में विरोधाभास पर उठे सवाल

पत्र में उन्होंने कहा है कि सीतापुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मेडिकल जांच (एमएलसी) के दौरान रेप की पुष्टि नहीं होना, जबकि बाद में मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर में रेप की पुष्टि होना, गंभीर संदेह पैदा करता है। यह अंतर स्वास्थ्य केन्द्र की कार्यप्रणाली और चिकित्सकीय जांच की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करता है।

एफआईआर दर्ज करने में देरी पर भी नाराजगी

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि स्थानीय लोगों और मीडिया के अनुसार,प्रारंभिक स्तर पर पीड़ितों की शिकायत पर तत्काल एफआईआर दर्ज नहीं की गई। पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की रिपोर्ट को आधार बनाते हुए कार्रवाई में देरी की। मामला जब मीडिया में उछला और उच्च अधिकारियों तक पहुंचने की संभावना बनी,तब जाकर एफआईआर दर्ज की गई–जिसे लेकर जनमानस में तरह-तरह की चर्चाएं हैं।

थाना प्रभारी की भूमिका पर सवाल

पत्र में यह भी सवाल उठाया गया है कि जिस थाना प्रभारी की भूमिका पहले से संदेह के घेरे में है, उसी को मामले की जांच सौंपना निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाता है।

निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने आग्रह किया है कि पूरे मामले की गहन और निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सक ने किन परिस्थितियों और किसी दबाव में आकर रिपोर्ट तैयार की।

सरगुजा में 'लॉ एंड ऑर्डर' पर बड़ा सवाल : हाई सिक्योरिटी जोन में पत्रकार पर जानलेवा हमला,अपराधियों के हौसले बुलंद

गांधी चौक के पास एशियन न्यूज के पत्रकार पंकज शुक्ला पर हमला,आदतन आरोपी मजहर खान व साथियों पर केस दर्ज,गश्त व्यवस्था और पुलिसिंग पर उठे गंभीर सवाल

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 मई 2026
(घटती-घटना)।
सरगुजा में कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता लगातार गहराती जा रही है। जिला मुख्यालय अंबिकापुर,जहां आला प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद हैं,वहीं अपराधों में बढ़ोतरी आम लोगों के लिए चिंता का विषय बन गई है। इसी बीच गांधी चौक के पास इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार पंकज शुक्ला पर हुए जानलेवा हमले ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह वारदात उस इलाके में हुई, जिसे शहर का हाई सिक्योरिटी जोन माना जाता है–जहां एसपी बंगला,एडिशनल एसपी निवास और मंत्री आवास स्थित हैं। ऐसे क्षेत्र में भी सुरक्षा की गारंटी नहीं होना, व्यवस्था की गंभीर कमजोरी को उजागर करता है।

पेशेवर कर्तव्य निभा रहे पत्रकार पर हमला

जानकारी के अनुसार,पत्रकार पंकज शुक्ला अपने कार्य के दौरान गांधी चौक क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान आरोप है कि आदतन अपराधी मजहर खान अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और अचानक हमला कर दिया। हमलावरों ने लाठी-डंडों और अन्य हथियारों से हमला कर पत्रकार को गंभीर रूप से घायल कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हमला इतना खतरनाक था कि जान का खतरा बन गया था। घायल पत्रकार को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज कराया गया है।

पुलिस की कार्रवाई,लेकिन उठे कई सवाल

पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों पर मारपीट, धमकी सहित अन्य गंभीर धाराएं लगाई गई हैं।

लेकिन इस कार्रवाई के बावजूद कई सवाल खड़े हो रहे हैं...

- जिला मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी के बावजूद अपराध क्यों बढ़ रहे हैं?
- रात में गश्त और सायरन का खौफ अपराधियों पर क्यों नहीं दिखता?
- शहर के चौक-चौराहों पर आदतन अपराधियों का जमावड़ा क्यों लगा रहता है?
- क्या पुलिस विभाग में स्थानीय संबंधों के चलते कार्रवाई प्रभावित हो रही है?

वीडियो और सीसीटीवी बने सबूत

घटना का पूरा वीडियो सामने आया है,जो इस हमले की गंभीरता को दिखाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि मौके पर सीसीटीवी कैमरे न होते,तो आरोपियों की पहचान कर पाना मुश्किल हो सकता था। इससे सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरियों पर भी सवाल उठ रहे हैं।

लॉ एंड ऑर्डर कमजोर पड़ने के आरोप

स्थानीय लोगों का कहना है कि अंबिकापुर के लगभग हर प्रमुख चौक-चौराहे पर आदतन अपराधियों का जमावड़ा देखा जा सकता है। रात में गश्त और पुलिस सायरन का असर नजर नहीं आता,जिससे अपराधियों के हौसले और बढ़ रहे हैं। लोगों का यह भी आरोप है कि पुलिस विभाग में गृह जिले के लोगों की पदस्थापना के कारण निजी संबंधों का प्रभाव पड़ रहा है,जिससे सख्त कार्रवाई में ढिलाई बरती जा रही है।

राजनीतिक संरक्षण की चर्चा

घटना के बाद यह चर्चा भी तेज हो गई है कि आरोपी मजहर खान को कुछ प्रभावशाली लोगों का संरक्षण प्राप्त है। इसी वजह से वह लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहते हुए भी बेखौफ नजर आता है। स्थानीय नागरिकों और पत्रकार संगठनों ने ऐसे संरक्षण देने वालों को उजागर करने की मांग की है।

पत्रकारों में आक्रोश :'यह सिर्फ हमला नहीं, संदेश है' : पत्रकार संगठनों ने इस घटना को पत्रकारिता पर सीधा हमला बताया है। उनका कहना है कि अगर सच दिखाने और लिखने वालों पर ही हमले होंगे, तो समाज की वास्तविक तस्वीर सामने नहीं आ पाएगी। 'जब हाई सिक्योरिटी जोन में पत्रकार सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिकों की सुरक्षा का अंदाजा लगाया जा सकता है,' एक स्थानीय पत्रकार ने कहा।

जनता में आक्रोश,प्रशासन से जवाब की मांग

घटना के बाद आम नागरिकों में भी भारी आक्रोश है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या अब शहर में कोई भी सुरक्षित नहीं है? क्या कानून का डर खत्म हो चुका है? सोशल मीडिया और जनचर्चा में यह भी सवाल उठ रहा है कि 'क्या यही सुशासन है? ',और क्या प्रशासन अपराधियों पर लगाम लगाने में विफल हो चुका है?

सिस्टम के सामने बड़ी चुनौती

अंबिकापुर में पत्रकार पर हुआ हमला सिर्फ एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि पूरे कानून-व्यवस्था तंत्र के लिए एक चेतावनी है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस घटना को एक गंभीर चेतावनी मानते हुए सख्त कदम उठाएगा, या फिर यह मामला भी समय के साथ ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

ऑपरेशन 'तलाश' व 'मुस्कान' में बड़ी सफलता 30 दिनों में 114 गुमशुदा लोगों को सकुशल खोजा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 मई 2026
(घटती-घटना)।
सरगुजा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन तलाश एवं अभियान मुस्कान के तहत अप्रैल माह में बड़ी सफलता हासिल हुई है। राजेश कुमार अग्रवाल (डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा) के निर्देशन में पुलिस टीमों ने महज 30 दिनों के भीतर कुल 114 गुमशुदा लोगों को खोजकर उनके परिजनों को सुपुर्द किया। पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देश पर 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चले इस विशेष अभियान में गुमशुदा मामलों को प्राथमिकता देते हुए सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को सक्रिय किया गया। अभियान के दौरान तकनीकी संसाधनों और परिजनों से सतत संपर्क के माध्यम से गुमशुदा लोगों का पता लगाया गया।

महिलाओं और नाबालिगों की बड़ी संख्या : दस्तयाब किए गए 114 लोगों में 80 महिलाएं, 20 पुरुष और 14 नाबालिग शामिल हैं। नाबालिगों में 2 बालक एवं 12 बालिकाएं हैं, जिन्हें सकुशल उनके परिवार तक पहुंचाया गया।

थानों की सक्रिय भूमिका : अभियान में जिले के विभिन्न थानों की अहम भूमिका रही। थाना अंबिकापुर कोतवाली ने 12, गांधीनगर ने सर्वाधिक 25,दरिमा ने 13, लखनपुर ने 11,उदयपुर ने 10,लुंड्रा ने 7, मणिपुर ने 7,बतौली व धौरपुर ने 4-4, सीतापुर ने 3 और कमलेश्वरपुर ने 4 गुमशुदा व्यक्तियों को बरामद किया। वहीं नाबालिग बालिकाओं की दस्तयाबी में भी थाना कोतवाली,गांधीनगर,उदयपुर,बतौली,धौरपुर, मणिपुर और कमलेश्वरपुर पुलिस टीमों ने सराहनीय कार्य किया।

तकनीक और टीमवर्क से मिली सफलता : अभियान के दौरान पुलिस ने आधुनिक तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुए गुमशुदा व्यक्तियों का लोकेशन ट्रेस किया और परिजनों से समन्वय बनाकर उन्हें सुरक्षित वापस लाया। सरगुजा पुलिस का यह अभियान न सिर्फ गुमशुदा लोगों की तलाश में प्रभावी साबित हुआ है, बल्कि आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास को भी मजबूत करने में सफल रहा है।

सुशासन तिहार के पहले दिन मुख्यमंत्री पहुंचे चन्दा गढ़

बरगद पेड़ के नीचे लगाई जनचौपाल...सौगातों की लगाई झड़ी,लखपति दीदी से किया संवाद

-संवाददाता-
जशपुरनगर,03 मई 2026
(घटती-घटना)।

सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री का औचक निरीक्षण शुरू। जशपुर जिले के सुदूर चंदागढ़ में उतरा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का उड़नखटोला। चंदागढ़ वासियों ने खुशी खुशी किया मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत। मुख्यमंत्री पत्थलगांव विकास खंड के भैंसामुड़ा जनचौपाल स्थल में बजरंग बली मंदिर पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा आज बड़ा सौभाग्य का दिन की सुशासन तिहार की शुरुआत कर रहे हैं जो 1 मई से 10 जून तक चलेगा आज सरकार आप लोगों के द्वार तक पहुची है। इस अवसर पर विधायक पत्थलगांव श्रीमती गोमती साय प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल कलेक्टर रोहित व्यास और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेंद सिंह वनमंडला अधिकारी शशि कुमार और ग्रामवासी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा प्रशासन ग्रामवासियों के बीच समस्या सुनने आए हैं। उन्होंने कहा कि आज लखपति दीदी श्रीमती सुमिला कोरवा से मुलाकात हुई उन्होंने गाड़ी भी खरीद ली । मुख्यमंत्री ने सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा, मिनी स्टेडियम बनाने की घोषणा,बच्चों को क्रिकेट किट और यूनिफॉर्म देने की घोषणा और सीसी रोड बनाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा हमारे छत्तीसगढ़ में 8 लाख लखपति दीदी बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 3 करोड़ लखपति दीदी बन गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि 13 दिसंबर 2023 को पहले ही दिन केबिनेट की बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति दी गई। तेंदूपत्ता तोड़ने का कार्य शुरू हुआ है कि नहीं इसकी भी जानकारी ली मुख्यमंत्री ने कहा कि चरण पादुका योजना भी चालू किए हैं । हमारी सरकार ने रामलला दर्शन योजना की भी शुरुआत की है मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की भी शुरुआत की गई जहां बुजुर्गों को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। हमारे ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र का शुभारंभ किया गया है। जहां पंचायत भवन में आय जाति निवास प्रमाण पत्र हर प्रकार का प्रमाण पत्र मिलेगा आनलाईन पैसा भी निकाल सकेंगे सारी व्यवस्था जनता की सुविधा के लिए की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने ईंट जोड़कर किया श्रमदान : जशपुर जिला प्रवास के दौरान विकासखंड पत्थलगांव के ग्राम भैंसामुडा पहुंचे। मुख्यमंत्री साय जब गांव से गुजर रहे थे,तभी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हितग्राही श्रीमती अनुसुइया पैंकरा के निर्माणाधीन आवास पर पड़ी। वे तुरंत वाहन से उतरकर मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने वहां कार्यरत श्रमिकों के प्रयासों की सराहना की। संवेदनशील और प्रेरणादायक पहल करते हुए मुख्यमंत्री ने स्वयं करणी तथा सीमेंट गारा से ईंट जोड़कर निर्माण कार्य में भागीदारी निभाई। मुख्यमंत्री ने स्वयं ईंट जोड़कर श्रमदान कर लोगों को भावुक कर दिया। मुख्यमंत्री की इस सहज और आत्मीय पहल से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल बन गया।

मुख्यमंत्री साय ग्राम भैंसामुड़ा में अचानक पहुंचे क्रिकेट मैदान

मुख्यमंत्री जब विद्यालय परिसर पहुंचे,तब उन्होंने स्कूल के मैदान में बच्चों को क्रिकेट खेलते देखा। बच्चों का उत्साह देखकर वे स्वयं रुक गए और उनके साथ मैदान में उतरकर क्रिकेट खेला। इस दौरान उन्होंने बच्चों से बातचीत करते हुए पूछा कि वे नियमित रूप से खेलते हैं या नहीं और खेलकूद के प्रति उनकी रुचि के बारे में जानकारी ली। इस दौरान ग्रामीणों और स्कूली बच्चों से सीधे संवाद किया। बच्चों में खेल के प्रति बढ़ते उत्साह को देखते हुए मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को निर्देशित किया कि स्कूल के बच्चों के लिए आवश्यक क्रिकेट किट और स्पोर्ट्स ड्रेस उपलब्ध कराई जाए,ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे भी बेहतर खेल सुविधाओं से जुड़ सकें और अपने कौशल का विकास कर सकें। इस दौरान उनका सहज और आत्मीय व्यवहार देखने को मिला, जिसने स्थानीय लोगों का मन जीत लिया।

मुख्यमंत्री साय पहुंचे 'लखपति दीदी' सुमिला की किराना दुकान : रविवार को जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम चंदागढ़ में एक भावुक दृश्य देखने को मिला,जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अचानक गांव की एक छोटी-सी किराना दुकान पर पहुंच गए। यह दुकान 'लखपति दीदी' सुमिला कोरवा द्वारा संचालित है,जिन्होंने अपनी मेहनत और संकल्प से आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है। मुख्यमंत्री साय का हेलीकॉप्टर गांव में उतरते ही वे सीधे हेलीपैड के पास स्थित सुमिला की दुकान पर पहुंचे। मुख्यमंत्री को सामने देखकर सुमिला कोरवा भावुक हो उठीं और उन्होंने परंपरागत अंदाज में लौंग-इलायची खिलाकर उनका स्वागत किया।मुख्यमंत्री साय ने सुमिला से बातचीत कर उनकी जीवन-यात्रा के बारे में जाना।

आज उनकी दुकान में रोजमर्रा के सामान के साथ-साथ फोटो कॉपी मशीन और फ्रिज की सुविधा भी उपलब्ध है,जिससे गांव वासियों को ठंडा पानी और अन्य जरूरी वस्तुएं मिलती हैं। मुख्यमंत्री साय ने दुकान से ठंडा पानी और फलाहारी चिवड़ा खरीदा और स्वयं अपने पर्स से पैसे निकालकर भुगतान किया।

सामरी विधायक उद्देश्वरी पैकरा ने किया ऑयल मिल का उदघाटन

आदिवासी महिला समूहों को मिलेगा सीधा लाभ

-संवाददाता-
बलरामपुर,03 मई 2026 (घटती-घटना)।

जिले के राजपुर जनपद क्षेत्र अंतर्गत पतरापारा में आदिवासी महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। उद्देश्वरी पैकरा (सामरी विधायक) ने दुर्गा महिला स्व-सहायता समूह के लिए स्थापित सरसों एवं डोरी तेल मिल का शुभारंभ किया। यह ऑयल मिल जिला यूनियन बलरामपुर द्वारा वनमंडल के वनमंडलाधिकारी आलोक कुमार बाजपेयी की पहल पर PVTG वनधन विकास केंद्र पतरापारा में स्थापित की गई है। इस पहल का उद्देश्य आदिवासी समुदाय,विशेषकर महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना है। कार्यक्रम में बताया गया कि नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई योजनाओं के तहत लघु वनोपज आधारित सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री जन-मन योजना के अंतर्गत आदिवासी लाभार्थियों के लिए उद्यमिता विकास,कौशल प्रशिक्षण और स्थानीय उत्पादों में मूल्य संवर्धन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। वनधन विकास केंद्र पतरापारा वर्तमान में 15 स्वयं सहायता समूहों से जुड़े 148 आदिवासी लाभार्थियों को समर्थन प्रदान कर रहा है। पतरापारा ग्राम पंचायत में सरसों और महुआ की अच्छी पैदावार होती है,जिससे यह तेल मिल स्थानीय संसाधनों पर आधारित एक टिकाऊ व्यवसाय मॉडल साबित होगा। इस तेल मिल के संचालन से दुर्गा महिला समूह को प्रतिवर्ष लगभग 1.70 लाख से 2 लाख रुपए तक की आय होने का अनुमान है। साथ ही, क्षेत्र में शुद्ध सरसों एवं डोरी तेल की उपलब्धता बढ़ेगी, जिससे स्थानीय बाजार को भी लाभ मिलेगा। इस पहल से PVTG महिला समूहों के आर्थिक एवं सामाजिक स्तर में सुधार के साथ उनके जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद जताई जा रही है।

अंबिकापुर के वार्ड 23 में 2.90 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि पूजन

सड़क, नाला निर्माण सहित कई परियोजनाओं की शुरुआत...भाजपा नेताओं ने कहा...'ट्रिपल इंजन सरकार में विकास को मिलेगी नई रफ्तार'

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 मई 2026
(घटती-घटना)।

शहीद वीर नारायण वार्ड क्रमांक-23 में भाजपा प्रदेशमहामंत्री अखिलेश सोनी, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत,सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी,एम.आई.सी.सदस्य श्रीमती श्वेता गुप्ता एवं जितेन्द्र सोनी ने जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया। कार्यों की स्वीकृति अंबिकापुर विधायक व छत्तीसगढ़ शासन में कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल एवं महापौर श्रीमती मंजूषा भगत द्वारा विगत वर्ष भारी बारिश के कारण जल भराव की स्थिति में जन संपर्क के दौरान वार्ड पार्षद की मांग पर कराया गया है। अधोसंरचना मद से गाड़ाघाट मार्ग सुलभ शौचालय से महादेव बस्ती ट्रांसफार्मर तक डामरीकरण कार्य लागत- 43.31लाख, शिवशंकर नगर से महादेव गली तक सड़क डामरीकरण कार्य लागत 18.17 लाख, अन्नपूर्णा सामुदायिक भवन से महादेव बस्ती तक नाला निर्माण कार्य लागत -97.34 लाख,महादेव बस्ती से चोरकाकछार तक नाला निर्माण 131.85 लाख,इस प्रकार कुल- 290.67 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेशमहामंत्री अखिलेश सोनी ने कहा कि नगर निगम अंबिकापुर में महापौर मंजूषा भगत के नेतृत्व में सरकार बने केवल एक वर्ष हुए हैं। अंबिकापुर के लगभग सभी सड़क स्वीकृत हैं,कार्य प्रारंभ है। उन्होंने कहा कि विष्णु देव साय सरकार में विकास कार्य के लिए पैसे की कोई भी कमी नहीं है , हम नागरिकों को विश्वास दिलाते हैं कि अंबिकापुर और वार्ड के विकास कार्य इन पांच वर्ष में पूर्ण हो जाएंगे। महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने कहा मैंने भारी बारिश के कारण जल भराव के दौरान इस वार्ड का दौरा किया था। और वार्ड वासियों की समस्या से अवगत हुई थी। आपके पार्षद ने प्राथमिकता के आधार पर नाला एवं सड़क डामरीकरण का मांग किया था। अम्बिकापुर विधायक एवं मेरे प्रयास से तत्काल उनकी स्वीकृति शासन से कराई गई है। इस अवसर पर पार्षद शैलेश सिंह, पूर्व पार्षद रमेश जायसवाल, श्रीमती उर्मिला सोनी, विकास गुप्ता,सुरेश सोनी,मनोज सोनी,महामाया मंडल के मंत्री अतीश सिंह,संजय जायसवाल,शशिकांत राय,भास्कर पाण्डेय,रवि सोनी, मनीष सिंह,विनोद गुप्ता,रामचंद्र गुप्ता,अरुण तिवारी,कृष्णा तिवारी,रोहित सोनी, कृष्णकांत सोनी,राकेश जायसवाल,कैलाश गुप्ता, शारदा सोनी,अनिल सिंह भूसील,बबुआ वर्मा, गोपाल जायसवाल,दुर्गा गुप्ता,राजन गुप्ता, डॉक्टर मुद्गल,गोस्वामी चाचा,राकेश सिंह, चौबे जी,अरुण सोनी,सागर बेहरा,श्रीमती अनीता गुप्ता,श्रीमती गीता सोनी,किरण बसोर, छोटी बसोर,श्रीमती मंजू सोनी,श्रीमती अमरावती सोनी,ईई राजेश राम,अभियंता प्रेम दुबे,सुपरवाइजर राजेश जायसवाल, ठेकेदार, निगम के अधिकारी कर्मचारीगण एवं सम्माननीय वार्डवासीगण उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज परिसर में आवारा श्वानों का निगम की टीम ने किया रेस्क्यू

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 मई 2026
(घटती-घटना)।

सुप्रीम कोर्ट में लंबित सुओ मोटू रिट याचिका (सिविल) के तहत दिए गए निर्देशों के पालन में रविवार को मेडिकल कॉलेज परिसर में आवारा श्वानों को रेस्क्यू की गई। रेस्क्यू नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई। जानकारी के अनुसार,सुशीला दुबे नर्सिंग महाविद्यालय की एक शिक्षिका ने कैंपस और स्टाफ क्वार्टर के आसपास बड़ी संख्या में आवारा श्वानों की मौजूदगी की शिकायत की थी। सूचना मिलते ही नगर निगम के अधिकारी शक्ति पांडेय ने तत्काल डॉग कैचिंग वैन को मौके पर भेजा। निगम की टीम मौके पर पहुंची और आवारा श्वानों को पकडक़र सुरक्षित रूप से मेडिकल कॉलेज के डॉग सुपरविजन अधिकारी डॉ. संतोष बाघ की निगरानी में रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू के दौरान पूरे परिसर में सतर्कता बरती गई। इस दौरान डॉग कैचिंग टीम के सदस्य आकाश को एक आवारा श्वान ने काट लिया। उसे तत्काल जिला अस्पताल के आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया गया, जहां आवश्यक इंजेक्शन और उपचार दिया गया।

सुख का आधार हमारी सत्यता,सत्य स्वरूप से ही जीवन में आनंद

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 मई 2026
(घटती-घटना)।

ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा आयोजित नव दिवसीय समर कैंप 'उमंग 2026' के दूसरे दिन बच्चों के व्यक्तित्व विकास पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान बीके ममता बहन ने बच्चों को बताया कि जीवन में श्रेष्ठ बनने का आधार हमारी आंतरिक सत्यता और हमारा वास्तविक स्वरूप है। उन्होंने कहा कि सहनशीलता, धैर्य, नम्रता और मधुरता जैसे गुण जीवन की आंतरिक शक्तियां हैं, जो हमें हर परिस्थिति में सही निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती हैं।

यही शक्तियां हमें अपने सत्य स्वरूप–ज्ञान,पवित्रता,सुख,शांति, प्रेम, आनंद और शक्ति–की पहचान कराती हैं,जिससे जीवन सुखमय और संतुलित बनता है। कार्यक्रम के दौरान बीके बसमती बहन ने 'संकल्प से सिद्धि' विषय पर रोचक एक्टिविटी कराई।

नीट यूजी की परीक्षा संपन्न,12 केंद्रों में 4763 परीक्षार्थी शामिल

सुबह 11 बजे से प्रवेश,दोपहर 2 से 5 बजे तक हुई परीक्षा,प्रशासन के कड़े सुरक्षा इंतजाम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 मई 2026
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) 2026 का आयोजन रविवार को अंबिकापुर शहर में शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गई थीं। शहर में बनाए गए कुल 12 परीक्षा केंद्रों में 4763 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा का समय दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित था। इसके पहले सुबह 11 बजे से ही अभ्यर्थियों का प्रवेश केंद्रों में शुरू कर दिया गया था। परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। प्रत्येक केंद्र में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। प्रवेश के दौरान अभ्यर्थियों की सघन जांच की गई, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो सके। प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। जानकारी के अनुसार, अधिकांश केंद्रों में परीक्षार्थियों की उपस्थिति अच्छी रही। कुल मिलाकर 4763 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 176 अनुपस्थित दर्ज किए गए। जिला प्रशासन ने परीक्षा के शांतिपूर्ण आयोजन पर संतोष व्यक्त किया है। अधिकारियों के अनुसार, कहीं से भी

किसी प्रकार की अव्यवस्था या शिकायत सामने नहीं आई। परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों में उत्साह देखा गया। कई छात्र समय से पहले केंद्र पहुंच गए थे। परीक्षा समाप्त होने के बाद छात्रों ने पेपर को संतुलित बताया।

न्यायालय श्रीमान् द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश महोदय,कनिष्ठ श्रेणी अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

व्यवहार वाद क्र0-अ / 191 / 2025
पेशी दिनांक - 27.06.2026
प्रोसेस नम्बर - 850/26

समंस/नोटिस

रविशंकर गढ़ोदिया वगैरह ....वादीगण
प्रति,
लक्ष्मीदेवी वगैरह ...प्रतिवादीगण

बनाम- पवन अग्रवाल आ0 शिव कुमार अग्रवाल आयु 48 वर्ष, निवासी बस स्टेण्ड पोस्ट ऑफिस रोड, अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

विदित हो कि वादीगण के द्वारा स्वत्व घोषणार्थ स्थायी निषेधाज्ञा, बटवारा एवं पृथक आधिपत्य हेतु वाद न्यायालय श्रीमान् द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश महोदय कनिष्ठ श्रेणी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के व्यवहार वाद अ/191/2025 प्रतिवादीगण / अनावेदकगण के विरूद्ध प्रस्तुत किया गया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त व्यवहार वाद में आपका पक्ष प्रस्तुत किया जाना अतएव पेशी दिनांक- 27.06.2026 समय 11:00 बजे अनिवार्य रूप से आप स्वतः या अपने अधिवक्ता या ऐसे व्यक्ति के मार्फत उपस्थित होवें जो उक्त प्रकरण में आपका पक्ष प्रस्तुत कर सके। पेशी तिथि में अनुपस्थित होने पर आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए प्रकरण में अग्रीम कार्यवाही की जायेगी। यदि पेशी तिथि को न्यायालय में अवकाश होगा तो अगले कार्य दिवस पर प्रकरण सुनवाई कर अग्रीम कार्यवाही की जायेगी ।

अतः आज दिनांक 27/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं मुद्रांक द्वारा जारी किया गया।

(सील)
न्यायालय श्रीमान् द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश महोदय, कनिष्ठ श्रेणी अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका कोमल पाण्डेय आ0 शैलेष पाण्डेय जाति ब्राम्हण, निवासी कदमपारा, प्रतापपुर, जिला सूरजपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला सत्तीपारा, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3375/19 रकबा 0.04 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 04/05/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांकः-17/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील)
नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मियंका गुप्ता आ0 हिमांशु गुप्ता जाति निवासी सदर रोड़ मो0 बरेजपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला-बरेजपारा, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2602/170, 2602/102 रकबा 1050, 169.28 वर्गफीट/ वर्गमीटर भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 04/05/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक-17/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील)
नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका कोमल पाण्डेय पति शैलेष पाण्डेय, जाति ब्राह्मण, निवासी कदमपारा, प्रतापपुर, जिला सूरजपुर, छ0ग के द्वारा शीट नम्बर-9 मोहल्ला सत्तीपारा,नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3375/19 रकबा 0.04 एकड़ भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-04.05.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक-17/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील)
नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

अन्नदाताओं पर दोहरी मार

'कागजी सिंचाई' के बिल और जर्जर नहरों के बीच पिसता किसान

अन्नदाताओं पर दोहरी मारः बिना पानी 'हवाई बिल', जर्जर नहरों में बहता भ्रष्टाचार

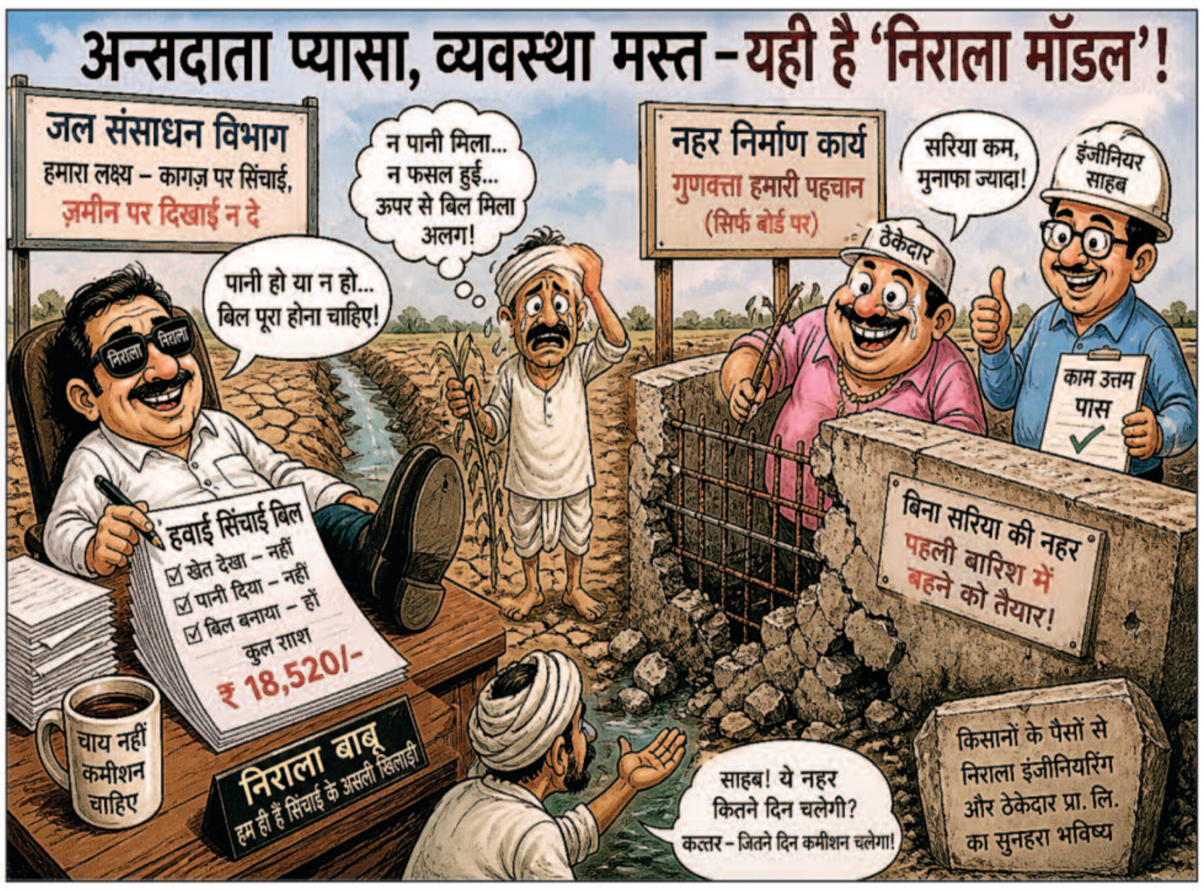

-रवि सिंह-

कोरिया,03 मई 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले में सिंचाई व्यवस्था इन दिनों ऐसी कहानी लिख रही है, जिसमें खेतों तक पानी पहुंचे या न पहुंचे,लेकिन कागजों में नहरें लबालब बह रही हैं,किसान अपने पसीने से खेत सींच रहे हैं,और बदले में उन्हें मिल रहा है फर्जी बिल, अधूरे निर्माण और आश्वासनों की लंबी फेहरिस्त, जल संसाधन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठते सवाल अब केवल शिकायत नहीं, बल्कि व्यवस्था पर एक बड़ा व्यंग्य बनते जा रहे हैं, बैकुंठपुर से लेकर सोनहत तक, हर कहानी में एक समान धागा नजर आता है जमीन पर कमी, कागज पर भरपूर उपलब्धि।

» खेत सूखे,कागज गीले–सिंचाई व्यवस्था का 'निराला' सच

» खेत सूखे,कागज गीले...सिंचाई व्यवस्था का 'निराला' सच उजागर

» पानी नहीं पहुँचा, बिल जरूर पहुँचा, कोरिया में सिंचाई घोटाले के संकेत

» नहरों में सरिया गायब, कागजों में सिंचाई चालू–किसानों का फूटा गुस्सा

» करोड़ों खर्च, नतीजा शून्य, सिंचाई योजनाओं पर उठे गंभीर सवाल

» 'हवाई सर्वे' से बनी सिंचाई, जमीन पर सूखा–किसानों की दोहरी परेशानी

» कागजी विकास बनाम जमीनी हकीकतः जल संसाधन विभाग पर सवाल

» जहां पानी नहीं, वहां बिल,जहां नहर, वहां भ्रष्टाचार–कोरिया की सच्चाई

» सिंचाई के नाम पर खेलः किसानों को नहीं मिला पानी, मिला सिर्फ भुगतान का बोझ

» योजनाएं कागजों में सफल, खेतों में असफल–अन्नदाता फिर ठगा गया

घटती घटना | कोरिया- सूरजपुर समाचार | अम्बिकापुर रविवार 26 अप्रैल 2026 | 5

कोरिया जल संसाधन विभाग का 'इंजीनियरिंग फेल्योर': एक तरफ कलेक्टर सहेज रही हैं बूंद-बूंद पानी इधर जल संसाधन बहा रहा गेज की मर्यादा....

भाडी-जनकपुर में 'जल-तांडव': घरों के पीछे बह रहा भ्रष्टाचार का नाला,नहीं हुआ मरम्मत तो बढ़ेगी परेशानी

बड़ा सवाल : कहाँ गया मेंटेनेंस का बजट?

घटती घटना | कोरिया- सूरजपुर समाचार | अम्बिकापुर बुधवार 29 अप्रैल 2026 | 5

स्पष्टीकरण या सवालों से बचने की कोशिश ? नहर में बहते पानी पर विभाग की सफाई से बढ़ा विवाद

'तकनीकी प्रक्रिया' या पानी की बर्बादी? विभाग की सफाई के बाद भी सवाल बरकरार

5 करोड़ के जीर्णोद्धार के बीच पानी बहाव पर विभाग का पक्ष सामने आया

आधी-अधूरी जानकारी का आरोप,विभाग ने बताया—नहर का जल प्रवाह तकनीकी प्रक्रिया

नहर में बहते पानी पर विभाग का स्पष्टीकरण, पूछने समाचार के बाद जारी हुआ स्पष्टीकरण

घटती घटना | कोरिया- सूरजपुर समाचार | 5

भ्रष्टाचार की नहर और बर्बादी का जलाशय : कदना में धंसी दीवार और टूटा गेट—किसानों का सवाल, 'सुशासन में कब मिलेगा पानी?

कदना जलाशय बना भ्रष्टाचार की मिसाल.... गेट टूटा, दीवार धंसी,किसानों को पानी का इंतजार

इनका कहना है...

शासन की योजनाएं किसानों के लिए होती हैं,लेकिन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़कर दम तोड़ देती हैं। बिना सरिया के नहर बनाना सार्वजनिक धन की खुली बर्बादी है।

प्रेम सागर तिवारी,अध्यक्ष,पंच संघ

मामला 1 : झरनापारा में 'हवाई सिंचाई', बिना पानी के भारी बिल

बैकुंठपुर के ग्राम झरनापारा में किसानों को एक ऐसा 'चमत्कार' देखने को मिला,जिसमें बिना पानी के भी सिंचाई हो गई कम से कम कागजों में तो यही दर्ज है, किसानों का आरोप है कि नकटी जलाशय से उन्होंने एक बूंद पानी तक नहीं लिया,लेकिन विभाग ने सिंचाई का बिल थमा दिया, यह बिल केवल आर्थिक बोझ नहीं,बल्कि व्यवस्था की उस सोच का प्रतीक बन गया है जिसमें वास्तविकता से ज्यादा महत्व कागजी आंकड़ों को दिया जाता है।

दफ्तर में बैठकर बनी 'गिरदावरी', खेतों तक नहीं पहुंची नजर

ग्रामीणों के अनुसार खेतों का कोई वास्तविक निरीक्षण नहीं हुआ, अमीन द्वारा दफ्तर में बैठकर ही गिरदावरी तैयार कर दी गई, जिस खेत में पानी पहुंचा ही नहीं,वहां भी सिंचाई दर्शाकर बिल बना दिया गया। इसे ग्रामीण 'हवाई सर्वे' कह रहे हैं एक ऐसा सर्वे जो जमीन से ज्यादा कागजों पर चलता है।

किसानों की जेब पर चोट,मन पर बोझ

खेती पहले ही घाटे का सौदा बनती जा रही है। ऐसे में बिना सुविधा के बिल थमाना किसानों के लिए दोहरी मार है,एक तरफ लागत बढ़ रही है,दूसरी तरफ कर्ज का दबाव है,और अब ऊपर से 'कागजी सिंचाई' का भुगतान,किसान इसे केवल आर्थिक नुकसान नहीं,बल्कि मानसिक प्रताड़ना भी बता रहे हैं।

कलेक्ट्रेट पहुंची आवाज,न्याय की उम्मीद

27 अप्रैल को दर्जनों किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे,उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो,मौके पर पंचनामा बने और फर्जी बिलों को तत्काल निरस्त किया जाए,यह केवल एक गांव की समस्या नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम पर उठता सवाल है।

मामला 2 : घुघरा में 'कंक्रीट की नहर' जिसमें लोहा ही गायब

सोनहत के ग्राम घुघरा में नहर निर्माण ने एक नई कहानी लिखी है,यहां नहर बनी जरूर है,लेकिन मजबूती के बिना, आरोप है कि नहर के आधे हिस्से में सरिया डाला गया,जबकि बाकी हिस्से को बिना सरिया के ही कंक्रीट से भर दिया गया। अब यह नहर कम और जोखिम ज्यादा लगती है।

पहली बारिश में ही 'बह' सकती है उम्मीद

तकनीकी दृष्टि से बिना सरिया के बनी कंक्रीट संरचना ज्यादा समय तक टिक नहीं सकती, ऐसे में यह आशंका जताई जा रही है कि पहली बारिश या पानी के दबाव में ही नहर टूट सकती है,यदि ऐसा होता है, तो करोड़ों रुपये की लागत और किसानों की उम्मीद–दोनों बह जाएंगी।

ठेकेदार-इंजीनियर की 'मजबूत' समझदारी?

ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के बीच समन्वय कुछ ज्यादा ही 'मजबूत' रहा,निरीक्षण की कमी और गुणवत्ता पर ध्यान न देने के कारण यह स्थिति बनी है। सवाल यह है कि क्या यह केवल लापरवाही है या कुछ और?

करोड़ों खर्च,लेकिन लाभ 'कागजों' तक सीमित-

कोरिया जिले में सिंचाई योजनाओं पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, नहरें बन रही हैं, जलाशय तैयार हो रहे हैं, लेकिन किसानों तक वास्तविक लाभ सीमित ही पहुंच रहा है,कई नहरें बनने के एक-दो साल में ही टूटने लगी हैं,जो बन रही हैं,उनकी उम्र को लेकर पहले से ही सवाल उठ रहे हैं।

जमीन पर सूखा,कागजों में बहती 'सफलता'

यदि आंकड़ों को देखें,तो सब कुछ व्यवस्थित नजर आता है सिंचाई क्षेत्र बढ़ा,पानी उपलब्ध,योजनाएं सफल,लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। खेतों में पानी नहीं है,लेकिन बिल जरूर है। नहरें हैं, लेकिन टिकाऊ नहीं हैं। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी तेज है कि विभागीय कार्यप्रणाली में सुधार क्यों नहीं हो पा रहा, लोग सवाल उठा रहे हैं कि यदि लगातार शिकायतें आ रही हैं,तो व्यवस्था में बदलाव क्यों नहीं दिख रहा।

किसान : उम्मीद और हकीकत के बीच फंसा वर्ग

हर साल किसान यह उम्मीद करता है कि इस बार सिंचाई बेहतर होगी, फसल अच्छी होगी और स्थिति सुधरेगी,लेकिन हर बार उसे नई समस्या मिलती है कभी पानी नहीं,कभी बिल ज्यादा,कभी नहर टूट जाती है,यह सिलसिला अब एक व्यवस्था बनता जा रहा है।

व्यंग्य में छुपा सवाल : 'पानी' बह रहा है या 'प्रणाली'?

कोरिया जिले की सिंचाई व्यवस्था अब एक व्यंग्य बन चुकी है। यहां पानी कम और सवाल ज्यादा बह रहे हैं, जहां पानी नहीं पहुंचा, वहां बिल पहुंच गया, जहां नहर बनी,वहां मजबूती गायब हो गई,ऐसे में सवाल उठना लाजमी है–क्या यह केवल सिस्टम की कमजोरी है,या फिर एक 'निराला' तरीका है काम करने का?

जांच या फिर वही पुरानी कहानी?

अब सबकी नजर प्रशासन पर है। क्या इन मामलों की निष्पक्ष जांच होगी? क्या दोषियों पर कार्रवाई होगी? या फिर यह भी एक फाइल बनकर रह जाएगा? फिलहाल इतना तय है कि कोरिया जिले में किसान केवल फसल नहीं उगा रहा,बल्कि उम्मीद और निराशा के बीच संघर्ष भी कर रहा है।

फिर आया सुशासन तिहार

दावों और वादों के बीच सोनहत की 'ज्वलंत समस्याएं' बरकरार

क्या इस बार खत्म होगा सालों का इंतजार?

चकडांड से धुम्माडांड,मेण्ड्रा से परिहत की सड़क,चंदहा से बंशीपुर अधूरे विद्युतीकरण के मामले फिर से बहुप्रतीक्षित मांगो में शामिल, क्या इस बार होगा समाधान?,लोलकी को राजस्व ग्राम सहित वानांचलो के मोबाइल टावरों की समस्या फिर रहेगी अहम

-राजन पाण्डेय-

सोनहत (कोरिया),03 मई 2026 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ सरकार भले ही प्रदेश भर में सुशासन तिहार मनाकर जन-जन तक सुशासन का लाभ पहुँचाने का दावा कर रही है,लेकिन कोरिया जिले का वनांचल विकासखण्ड सोनहत आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है, यहाँ सुशासन की चमक उन अंधेरी गलियों और जर्जर

सड़कों तक नहीं पहुँच पाई है,जो पिछले कई वर्षों से सरकारी फाइलों में दबी हुई हैं,रामगढ़ की ठप मोबाइल कनेक्टिविटी से लेकर गिधेर मार्ग पर 12 साल से टूटी पड़ी पुलिया तक,ऐसी कई पुरानी मांगें हैं जो एक बार फिर क्षेत्र में जोर पकड़ने लगी हैं,स्थानीय जनता अब सरकार से यह सवाल पूछ रही है कि क्या सुशासन का यह नया दौर उनकी वर्षों पुरानी समस्याओं का अंत करेगा या इस बार भी उन्हें सिर्फ आश्वासनों से ही संतोष करना पड़ेगा।

रामगढ़ में कनेक्टिविटी का संकट शो-पीस बने मोबाइल टावर

रामगढ़ क्षेत्र में डिजिटल इंडिया का सपना अब तक अधूरा है, यहाँ मोबाइल टावर तो खड़े कर दिए गए हैं, लेकिन वे महज सफेद हाथी साबित हो रहे हैं, पिछले कुछ महीनों में इन्हें तकनीकी रूप से चालू तो किया गया,लेकिन नेटवर्क की स्थिति बद से बदतर है,न तो फोन पर बात हो पाती है और न ही इंटरनेट काम करता है,स्थानीय निवासियों का कहना है कि आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस या पुलिस को फोन लगाना भी नामुमकिन हो जाता है,सुशासन तिहार में लोग पूछ रहे हैं कि उन्हें इस डिजिटल आइसोलेशन से कब आजादी मिलेगी?

अधर में लटका विद्युतीकरण, अंधेरे में चंदहा और बंशीपुर

चंदहा,बंशीपुर,नावटोला और कचोहर जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण का कार्य पिछले सुशासन काल के पूर्व से ही कछुआ गति से चल रहा था, खंभे गाड़ दिए गए,तारें भी खिंच गईं,लेकिन घरों तक रोशनी आज भी नहीं पहुंची है, और 2 साल से काम बन्द कर दिया गया अधूरा विद्युतीकरण विभाग की लापर वाही का जीता-जागता उदाहरण है, ग्रामीण अब सुशासन की नई बयार से उम्मीद लगाए बैठे हैं कि इस बार उनके आंगन भी बिजली की रोशनी से जगमगाएंगे।

जर्जर राहें : मेण्ड्रा से परिहत तक पक्की सड़क की दरकार

मेण्ड्रा से रजपुरी, भलुवार और परिहत तक जाने वाला मार्ग आज भी पक्की सड़क के लिए तरस रहा है,उबड़-खाबड़ और पथरीले रास्तों के कारण यहाँ के ग्रामीणों को जिला मुख्यालय तक पहुँचने में भारी मशक्कत करनी पड़ती है,बरसात के दिनों में तो स्थिति और भी भयावह हो जाती है,यह मांग पिछले कई सालों से उठ रही है,लेकिन अब तक इसे प्रशासनिक स्वीकृति और क्रियान्वयन का इंतजार है।

गिधेर मार्ग पर 12 साल से टूटी पुलिया,प्रशासन की अनदेखी

विकास के दावों की पोल खोलती गिधेर मार्ग की टूटी हुई पुलिया पिछले 12 सालों से अपने नवनिर्माण की राह देख रही है, एक दशक से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी इस पुलिया की सुध नहीं ली गई,जिससे दर्जन भर गांवों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। स्कूली बच्चे और किसान जान जोखिम में डालकर नाला पार करने को मजबूर हैं। क्या सुशासन के इस दौर में 12 साल का यह वनवास खत्म होगा?

चकडांड से धुम्माडांड सड़कः जब वादों से टूटकर ग्रामीणों ने चुना था चुनाव बहिष्कार का रास्ता

सोनहत विकासखण्ड में विकास की उपेक्षा का सबसे ज्वलंत उदाहरण चकडांड से धुम्माडांड मार्ग है, यह केवल एक सड़क नहीं,बल्कि सरकार उदासीनता के खिलाफ ग्रामीणों के संघर्ष का प्रतीक बन चुकी है,इस मार्ग की जर्जर हालत और सालों के इंतजार से तंग आकर पिछले चुनाव में यहाँ के ग्रामीणों ने रोड नहीं तो वोट नहीं का नारा बुलंद करते हुए मतदान का बहिष्कार किया था,लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व से दूरी बनाकर ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन को कड़ा संदेश दिया था,लेकिन प्रशासन से सड़क निर्माण का भरोषा देकर बहिष्कार को बन्द करा वोटिंग कराई थी,लेकिन वर्तमान सुशासन तिहार के इस दौर में भी सवाल वही खड़ा है–क्या ग्रामीणों का वह बलिदान और विरोध रंग लाएगा? चकडांड से धुम्माडांड तक के पथरीले और गड्ढों भरे सफर ने इलाके की रफ़्तार थाम दी है,और अब देखना होगा कि क्या सरकार इस चुनावी घाव को विकास के मरहम से भर पाएगी।

सेमरिया पुलिया की बदहाली,पिछले बरसात में बही मिट्टी,महीनों से ठप्प है आवागमन

सोनहत क्षेत्र के सेमरिया में स्थित पुलिया प्रशासन की घोर लापरवाही का जीवंत प्रमाण बन गई है,पिछली बरसात में पुलिया की मिट्टी पूरी तरह बह गई थी, जिसके बाद से अब तक इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप्प है,महीनों बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है,जिससे ग्रामीणों का संपर्क मुख्य मार्गों से कट गया है। सुशासन तिहार के इस दौर में लोग उम्मीद लगाए बैठे हैं कि क्या इस बार इस पुलिया का जीर्णोद्धार होगा या उन्हें आगामी मानसून में भी इसी तरह की विभीषिका झेलनी पड़ेगी? ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द मिट्टी भराई और मरम्मत का कार्य कर इस मार्ग को बहाल किया जाए ताकि सालों का यह अवरोध खत्म हो सके।

लोलकी को राजस्व ग्राम का दर्जा,पहचान की लड़ाई

सोनहत क्षेत्र के लोलकी गांव को राजस्व ग्राम का दर्जा दिलाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ चुकी है,राजस्व ग्राम न होने के कारण ग्रामीणों को कई सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ लेने में कानूनी अड़चनों का सामना करना पड़ता है,ग्रामीण लंबे समय से आंदोलनरत हैं कि उन्हें उनका वाजिब हक मिले ताकि गांव के विकास का मार्ग प्रशस्त हो सके।

सोनहत मुख्यालय में पसरा अंधेरा कब जलेंगी स्ट्रीट लाइटें?

हैरानी की बात है कि विकासखंड मुख्यालय होने के बावजूद सोनहत की सड़कों पर रात के समय अंधेरा छाया रहता है,नगर की स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं,मुख्यालय की चकाचौंध के बजाय अंधेरे में डूबी गलियां प्रशासन की उदासीनता बयां कर रही हैं,स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों की पुरजोर मांग है कि सुशासन तिहार के उपलक्ष्य में मुख्यालय को जल्द से जल्द रोशन किया जाए।

घर में घुसकर महिला का अपहरण

22 लाख की फिरौती : 12 घंटे तक बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा

-संवाददाता-

सूरजपुर,03 मई 2026 (घटती-घटना)।
जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सरनापारा इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है,जहां अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर एक महिला का अपहरण कर लिया। वारदात को अंजाम देने के दौरान आरोपियों ने महिला के सिर पर जानलेवा हमला भी किया,जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

जानकारी के अनुसार, देर रात कुछ नकाबपोश बदमाश महिला के घर में घुसे और उसे जबरन अपने साथ उठा ले गए। अपहरण के बाद आरोपियों ने महिला के हाथ-पैर बांध दिए और उसे सुनसान स्थान पर करीब 12 घंटे तक बंधक बनाकर रखा। इस दौरान महिला के साथ मारपीट की गई और उसके परिजनों से 22 लाख रुपये की फिरौती की मांग की गई।

बताया जा रहा है कि वारदात के बाद बदमाश महिला को उसके घर के पास ही गंभीर हालत में छोड़कर फरार हो गए। परिजनों ने

तत्काल घायल महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया,जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। आसपास के इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है और संदिग्धों की तलाश तेज कर दी गई है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामला गंभीर है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने का दावा किया जा रहा है।

तेज रफ्तार जेसीबी का कहर

बाइक सवार दंपति की दर्दनाक मौत,नाबालिग चालक फरार

-संवाददाता-

सूरजपुर,03 मई 2026 (घटती-घटना)।
सूरजपुर जिले के ओड़गी थाना क्षेत्र अंतर्गत पाल दलौनी इलाके में एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। तेज रफ्तार जेसीबी ने पीछे से बाइक को जोरदार टक्कर मार दी,जिससे बाइक सवार दंपति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

मिली जानकारी के अनुसार,दंपति अपने ससुराल से मायके की ओर जा रहे थे,तभी पाल दलौनी के पास अचानक पीछे से आ रही जेसीबी ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवारों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक,जेसीबी तेज गति में थी और चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को पीछे से टक्कर मारी। सबसे चौंकाने

वाली बात यह सामने आ रही है कि जेसीबी चालक नाबालिग बताया जा रहा है,जो हादसे के तुरंत बाद मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही ओड़गी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार जेसीबी चालक की तलाश शुरू कर दी है।

जांच और कार्रवाई

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आखिर एक नाबालिग को जेसीबी चलाने की अनुमति किसने दी। इस मामले में वाहन मालिक पर भी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

स्थानीय क्षेत्र में आक्रोश

हादसे के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए,ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरनाक परिणामों को उजागर करता है। साथ ही नाबालिगों द्वारा भारी वाहनों के संचालन पर भी बड़ा सवाल खड़ा करता है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में कितनी सख्ती से कार्रवाई करता है।

20 साल से बॉलीवुड से लापता है ये स्टार,अब तक नहीं मिला कोई सुराग

ये मशहूर फिल्म अभिनेता मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझते रहे,1996 में एक आश्रम में जबरदस्ती घुसने के आरोप में उन्हें जेल भी जाना पड़ा...इसके बाद वे अमेरिका चले गए और पिछले 20 सालों से लापता हैं...

बॉलीवुड पर जितनी कहानियां पर्दे पर दिखती हैं उससे ज्यादा दिलचस्प कहानियां पर्दे के पीछे की होती हैं। आज हम एक ऐसे एक्टर के बारे में बात करने जा रहे हैं जिन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया और भारतीय सिनेमा का जाना पहचाना चेहरा बने। लेकिन एक दिन वे सबकुछ छोड़कर चले गए और 20 सालों से ज्यादा होने के बाद आज भी उनका कोई पता नहीं है।एक समय था जब उनका चेहरा पूरे भारत के घरों में जाना-पहचाना लगता था; वे ऐसे अभिनेता थे जिन पर शायद आप तुरंत ध्यान नहीं देते थे,लेकिन फिल्म खत्म होने के काफी समय बाद भी वे आपको किसी न किसी तरह याद रह जाते थे। हम बात कर रहे हैं राज किरण की,जिनकी कहानी एक बिल्कुल ही अलग अंदाज में लोगों के जहन में बसी हुई है...उनकी अदाकारी की वजह से नहीं, बल्कि एक ऐसे रहस्य की वजह से जो पिछले दो दशकों से भी ज्यादा समय से अनसुलझा है।

कई बेतरीन फिल्मों में किया काम

राज किरण, जिन्हें मुख्य रूप से कर्ज और अर्थ जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए जाना जाता है, ने 1970 के दशक के आखिर और 1980 के दशक के दौरान हिंदी सिनेमा में अपनी एक मजबूत जगह बनाई। उन्होंने 1975 में फिल्म कागज की नाव से अपने करियर की शुरुआत की और जल्द ही किस्सा कुर्सी का में नजर आए;यह एक राजनीतिक व्यंग्य फिल्म थी जिसे आपातकाल के दौरान प्रतिबंधित कर दिया गया था। 1980 के दशक में, राज कई फिल्मों में नजर आए और धीरे-धीरे एक भरोसेमंद एक्टर के तौर पर अपनी पहचान बनाई। लेकिन 1990 के दशक की शुरुआत तक, उनके

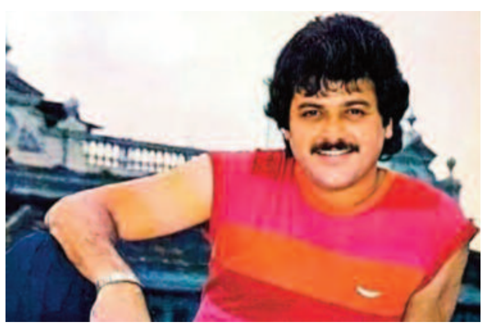

करियर में बदलाव आने लगा और उन्हें ज्यादातर सहायक भूमिकाएं मिलने लगीं। 1990 के दशक के मध्य के आस-पास, उन्होंने कुछ समय के लिए फिल्मों से दूरी बना ली, और इसी दौर में उनकी जिंदगी में एक मुश्किल मोड़ आया।

जब आश्रम में घूसने की कोशिश में हुई जेल

1996 में, एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें बेंगलुरु सेंट्रल जेल में रखा गया था; बताया जाता है कि पुट्टपर्थी साईं बाबा आश्रम में बिना इजाजत घुसने की कोशिश करने के बाद उन्होंने वहां लगभग एक महीना बिताया था। डेक्कन हेराल्ड के अनुसार, उन्होंने रात के समय आश्रम परिसर में घुसने की कोशिश में एक ट्रैक्टर और एक सीढ़ी का इंतजाम किया था। बाद में, उनके पिता ने जमानत दिलवाकर उन्हें जेल से बाहर निकलवाया। इसके कुछ ही समय बाद, उन्हें वापस उनके मुंबई वाले घर पर देखा गया, और ऐसी खबरें थीं कि उन्होंने अपने भाई गोविंद के साथ कुछ समय अमेरिका में बिताया था और वापस लौटने की योजना बना रहे थे। हालांकि,इस दौरान उनसे मिलने वाले लोगों के बयानों से पता चलता है कि शायद वे कुछ निजी मुश्किलों से गुजर रहे थे। ये बातें परिवार के सदस्यों और फिल्ममेकर महेश भट्ट के बयानों पर आधारित हैं।

महेश भट्ट ने बताई थी उनकी मानसिक स्थिति

महेश भट्ट ने मुंबई के एक मेंटल हेल्थ सेंटर में राज से हुई अपनी मुलाकात की यादें साझा कीं थीं। उन्होंने बताया था कि, कई साल पहले, जब वे मसीना अस्पताल के साइकियाट्रिक वार्ड में थे। वे उस राज किरण जैसे बिल्कुल नहीं थे जिनसे मैं पहले मिला था। वे एक उदास और डिप्रेस्ड इंसान लग रहे थे, और उन्होंने बड़ी मुश्किल से मुझसे बात की।अभिनेत्री दीप्ति नवल, जिन्होंने उनके साथ हिप हिप हुर्रे में काम किया था, ने भी 2011 में एक सार्वजनिक अपील की थी। उन्होंने लोगों से राज को ढूंढ़ने में मदद करने का आग्रह किया था, क्योंकि उन्हें पता चला था कि शायद वह न्यूयॉर्क में टैक्सी चला रहे थे।

20 साल से लापता हैं एक्टर

परिवार के सदस्यों, सहकर्मियों और यहां तक कि अधिकारियों द्वारा कई कोशिशें किए जाने के बावजूद,2000 के दशक की शुरुआत से राज किरण का कोई भी पक्का सुराग नहीं मिला है। उनकी बेटी के अनुसार, उन्होंने राज को आखिरी बार 2003 में देखा था। 20 साल से भी ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी यह सवाल बना हुआ है, जिससे एक समय के जाने-पहचाने चेहरे की कहानी बॉलीवुड के सबसे बड़े अनसुलझे रहस्यों में से एक बन गई है।

फरहाना भट्ट की अस्पताल की तस्वीरें वायरल

फरहाना भट्ट एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार इसकी वजह फिल्में, रियलिटी शो का ड्रामा या सोशल मीडिया पर चल रही चर्चा नहीं है। कथित तौर पर इस अभिनेत्री से जुड़ी अस्पताल की एक तस्वीर ऑनलाइन वायरल हो गई है, जिससे उनके प्रशंसक चिंतित हो गए हैं। इस तस्वीर में एक हाथ दिखाई दे रहा है जिसमें आईव्ही लाइन लगी हुई है, जिससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि फरहाना को शायद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, फरहाना या उनकी टीम की ओर से अब तक कोई

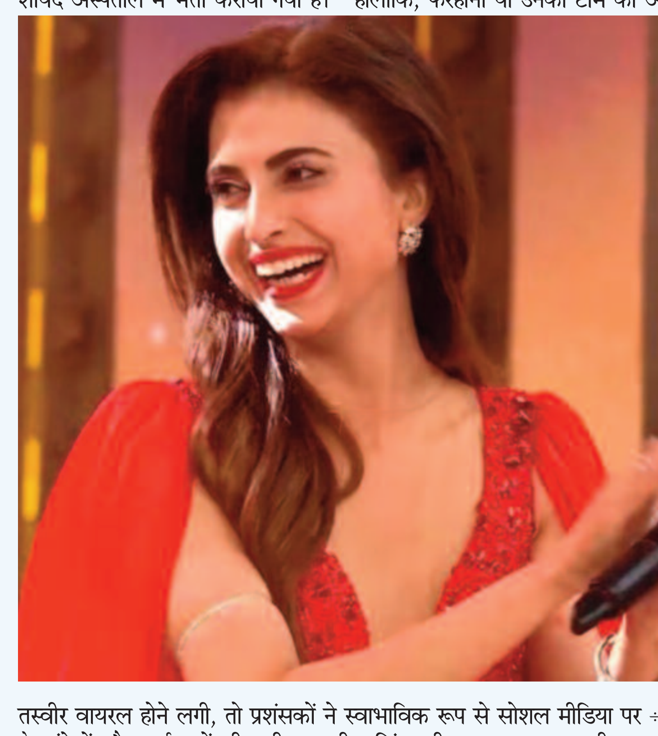

आधिकारिक बयान नहीं आया है। और यही चुप्पी इंटरनेट पर लोगों को बेचैन कर रही है। एक ऐसी हस्ती जिसने फिल्मों के ज़रिए पहचान बनाई और बाद में रियलिटी शो के दर्शकों के बीच एक जाना-पहचाना चेहरा बन गई, फरहाना ने प्रशंसकों का एक ऐसा वफादार समूह तैयार किया है जो उनसे जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी पर बारीकी से नज़र रखता है। इसलिए, जब बिना किसी उचित स्पष्टीकरण के अस्पताल की यह तस्वीर वायरल होने लगी, तो प्रशंसकों ने स्वाभाविक रूप से सोशल मीडिया पर ÷जल्द ठीक हो जाओ÷ के संदेशों और प्रार्थनाओं की झड़ी लगा दी। चिंता की एक वजह जानकारी का अभाव भी है। किसी को ठीक-ठीक नहीं पता कि आखिर हुआ क्या है–क्या मामला गंभीर है, या फिर वायरल हो रही इस तस्वीर को बेवजह बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। लेकिन सोशल मीडिया की दुनिया में, बिना किसी स्पष्टीकरण के सामने आई एक तस्वीर ही किसी बड़ी चर्चा को शुरू करने के लिए काफी होती है। उनके प्रशंसक अब उम्मीद कर रहे हैं कि अभिनेत्री खुद जल्द ही कोई जानकारी साझा करेंगी और इन तमाम अटकलों पर विराम लगा देंगी। फिलहाल, अस्पताल की इस वायरल तस्वीर ने जवाबों से ज़्यादा सवाल खड़े कर दिए हैं। जब तक फरहाना खुद कुछ नहीं कहतीं, तब तक प्रशंसकों के पास चिंता, प्रार्थनाओं और इस एक उम्मीद के सिवा कुछ नहीं है कि वह पूरी तरह ठीक हैं।

महेश बाबू घने जंगल में गुम

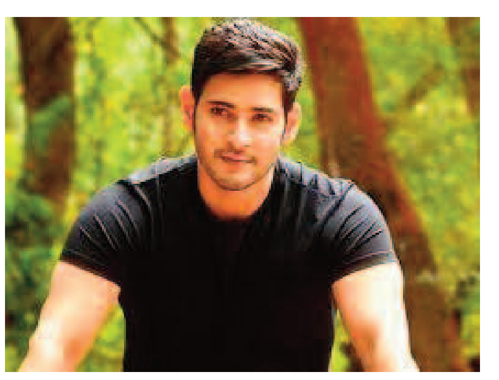

कुछ देर के लिए ऐसा लगा जैसे महेश बाबू पूरी तरह से गायब हो गए हैं। न कोई फिल्म शूट,न कोई पब्लिक अपीयरेंस, बस जर्मनी के घने ब्लैक फ़ॉरेस्ट से कुछ शांत अपडेट्स। इन तस्वीरों ने फ़ैन्स के बीच उत्सुकता और कन्फ़्यूज़न पैदा कर दिया;कई लोग सोच रहे थे कि क्या टॉलीवुड सुपरस्टार ने कोई अचानक ब्रेक ले लिया है या वे बस लाइमलाइट से गायब हो गए हैं। लेकिन सच्चाई इससे कहीं ज़्यादा सीधी-सादी है। महेश बाबू इस समय जर्मनी में एक खास वेलनेस और ट्रेनिंग रिट्रीट पर हैं। एक्टर ने सोशल मीडिया पर ब्लैक फ़ॉरेस्ट में बिताए अपने समय की कुछ झलकियाँ शेयर कीं, और पोस्ट के कैप्शन में लिखा ब्लैक फ़ॉरेस्ट, ट्रेकिंग...ट्रेनिंग...तरोताज़ा होना!! अपने इस प्रवास के दौरान,वे डॉ. हैरी कोनिग के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। डॉ. कोनिग इंटीग्रेटिव मेडिसिन के विशेषज्ञ हैं और वे लंबी उम्र,निवारक स्वास्थ्य और परफ़ॉर्मेंस को बेहतर बनाने के क्षेत्र में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। यह सहयोग कोई नया नहीं है; ख़बरों के मुताबिक,एक्टर पिछले कई सालों से इसी विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग ले रहे हैं। जंगल के खूबसूरत रास्तों पर ट्रेकिंग करने से लेकर फ़िटनेस के लिए तय किए गए खास सेशन में हिस्सा लेने तक–यह ट्रिप शारीरिक फ़िटनेस और मानसिक रूप से तरोताज़ा होने का एक मिला-जुला अनुभव लग रही है। हालांकि, इन तस्वीरों से तो यही लगता है कि यह एक शांतिपूर्ण छुट्टी है, लेकिन इस रिट्रीट का समय कुछ और ही बड़े संकेत दे रहा है। महेश बाबू इस समय अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' की तैयारियों में जुटे हैं, जिसका निर्देशन एस. एस. राजामौली कर रहे हैं। इस फ़िल्म में प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नज़र आएंगे। फ़िल्म की शुरुआती झलकियाँ सामने आने के बाद से ही, इसे लेकर काफ़ी चर्चा हो रही है। अलग-अलग समय-कालों और बेहद खूबसूरत नज़ारों को समेटे हुए 'वाराणसी' को भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक माना जा रहा है। फिल्म इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि महेश बाबू का यह तरोताज़ा होने का दौर दरअसल उस गहन तैयारी का ही एक हिस्सा है, जो इस फिल्म में निभाए जाने वाले शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण किरदार के लिए ज़रूरी है।

मुंबई इवेंट में सारा अली खान हुईं हैरान,होस्ट के मजाक पर दिया रिएक्शन

एक्ट्रेस सारा अली खान शनिवार (2 मई) को मुंबई में अपनी आने वाली फिल्म पति पत्नी और वो 2 के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में आयुष्मान खुराना, रकुल प्रीत सिंह और वामिका गब्बी के साथ शामिल हुईं। इस इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें सारा होस्ट की एक विवादित टिप्पणी के बाद साफ तौर पर असहज और हैरान नज़र आ रही हैं। होस्ट ने अपनी टिप्पणी में दावा किया था कि वह हर एक्टर को पीछे से पहचानते हैं। होस्ट ने कहा, आप लोग वो वाली रील डालते हो ना कि किसी सेलिब्रिटी का बैकशॉट डालकर पूछते हो कि पहचानो कौन... मैं झूठ नहीं कह रहा, मैं सभी सेलिब्रिटीज़ को पीछे से जानता हूँ...मैंने इस चीज़ में बहुत समय बिताया है। भले ही मैं उन्हें आगे से पहचान पाऊँ या नहीं। संजय गांधी नेशनल पार्क में आयोजित इस इवेंट में सारा, रकुल और आयुष्मान के बगल में बैठी थीं। इस क्लिप में होस्ट के जोक्स पर उनकी प्रतिक्रिया कैद हो गई, जिसमें सारा को यह पूछते हुए सुना जा सकता है, यह क्या बोल रहा है? मंच पर दर्शकों के सामने होस्ट द्वारा दिए गए बयान से वह काफी हैरान भी नज़र आईं।

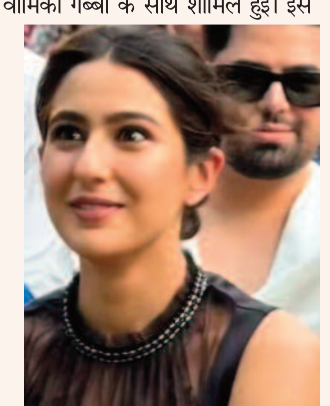

राहुल रॉयने अफवाहों पर दी सफाई,बोले परिवार की देखरेख में हूं,चिंता की जरूरत नहीं

अभिनेता राहुल रॉय ने अपनी सेहत, लाइफस्टाइल और हाल ही में सार्वजनिक उपस्थिति को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही अटकलों पर प्रतिक्रिया दी है। 'आशिकी' फिल्म से लोकप्रिय हुए अभिनेता ने रविवार (3 मई) को इंस्टाग्राम पर एक विस्तृत बयान साझा कर स्पष्ट किया कि उन्हें अकेला नहीं छोड़ा गया है और उनके परिवार के सदस्य उनकी पूरी देखभाल कर रहे हैं। हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर उनके एक म्यूजिक वीडियो में नजर आने के बाद कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई थीं। यह वीडियो कंटेंट क्रिएटर डॉ. वनिता घडागे डी. के साथ सामने आया था,जिसके बाद कुछ यूजर्स ने उनकी सेहत और आर्थिक स्थिति को लेकर सवाल उठाए। कई वीडियो और रील्स भी ऑनलाइन तेजी से फैल गए, जिनमें उनके स्वास्थ्य और जीवन को लेकर तरह-तरह के दावे किए जा रहे थे, जिससे उनके फैंस के बीच चिंता बढ़ गई। इन सभी अफवाहों और गलत जानकारी पर विराम लगाते हुए राहुल रॉय ने अपने बयान में लिखा, आप सभी का धन्यवाद,

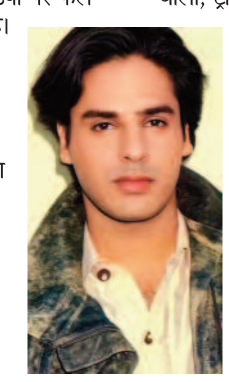

जिन्होंने मुझ पर इतना प्यार और समर्थन दिखाया। यह संदेश मेरे सभी नफरत करने वालों, ट्रोलर्स और फेक वीडियो बनाने वालों के लिए है। उन्होंने आगे यह स्पष्ट किया कि उनके बारे में जो भी नकारात्मक या भ्रामक बातें फैलाई जा रही हैं,वे वास्तविकता से दूर हैं। राहुल रॉय ने अपने संदेश में यह भी संकेत दिया कि वे किसी भी तरह से अकेले या असहाय स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनका परिवार लगातार उनके साथ है और उनकी देखभाल कर रहा है। अभिनेता के इस बयान के बाद उनके प्रशंसकों ने राहत की सांस ली और सोशल मीडिया पर उनके समर्थन में संदेश भी साझा किए।पिछले कुछ समय से राहुल रॉय समय-समय पर सार्वजनिक कार्यक्रमों और वीडियो में नजर आते रहे हैं,लेकिन उनके स्वास्थ्य और निजी जीवन को लेकर ऑनलाइन कई तरह की अटकलें लगाई जाती रही हैं। इस ताजा बयान के जरिए उन्होंने इन सभी चर्चाओं को खारिज करने की कोशिश की है और लोगों से अपील की है कि बिना पुष्टि के किसी भी जानकारी पर विश्वास न करें।

खेल समाचार

आईपीएल 2026 पर मंडराया संकट

31 मई को होने वाले आईपीएल फाइनल और उसी दिन पाकिस्तान-ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले वनडे ने फैंस और टीमों को चिंता में डाल दिया है...कमिंस, हेड और स्टार्क जैसे सितारों के बाहर होने का खतरा बढ़ गया है...

नई दिल्ली,03 मई 2026। आईपीएल 2026 का फाइनल 31 मई को होना है, लेकिन उसी दिन पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का पहला मैच भी शुरू हो रहा है। इस शेड्यूलिंग विवाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमों के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया है, क्योंकि इनके मुख्य खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई हैं। ऐसे में आइए आपको बताते हैं कि इस सीरीज के कारण इन टीमों को कैसे परेशानी होगी।

लाहौर में पहला वनडे और आईपीएल फाइनल

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हाल ही में घोषणा की है कि पीएसएल 2026 के बाद वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज की मेजबानी करेंगे। सीरीज का

पहला मैच 31 मई को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाना है। मजे की बात यह है कि आईपीएल 2026 का ग्रैंड फिनाले भी इसी तारीख को है। इसके बाद सीरीज के अगले दो मैच 2 और 4 जून को खेले जाएंगे।

इन बड़े नामों की उपलब्धता पर खतरा

ऑस्ट्रेलिया के कई धाकड़ खिलाड़ी इस समय आईपीएल फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं और उनका बाहर होना टीमों के लिए तगड़ा झटका होगा:

मिचेल स्टार्क: दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य गेंदबाज।

पैट कमिंस और ट्रैविस हेड:- सनराइजर्स हैदराबाद की जान।

जोश हेजलवुड:- अपनी टीम के स्ट्राइक बॉलर।

ये सभी खिलाड़ी अपनी-अपनी टीमों के लिए अहम रोल निभा रहे हैं। अगर इनकी टीमें फाइनल में पहुंचती हैं,तो फ्रेंचाइजी के लिए इनका रिप्लेसमेंट ढूंढना नामुमकिन जैसा होगा।

2027 वर्ल्ड कप की तैयारी या आईपीएल?

यह वनडे सीरीज इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2027 में वनडे वर्ल्ड कप खेला जाना है। डिफेंडिंग चैंपियन होने के नाते ऑस्ट्रेलिया अपनी तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के लिए यह तय करना मुश्किल होगा कि वे अपने खिलाड़ियों को आईपीएल फाइनल के लिए रुकने दें या वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए पाकिस्तान भेजें।

सीनियर खिलाड़ियों को मिल सकता है आराम

बाजार में यह चर्चा भी जोरों पर है कि मिचेल स्टार्क,पैट कमिंस और जोश हेजलवुड जैसे सीनियर गेंदबाजों को पाकिस्तान दौरे से आराम दिया जा सकता है। अगर ऐसा होता है,तो केकेआर और हैदराबाद जैसी टीमों के लिए यह राहत की खबर होगी। हालांकि,आधिकारिक मुहर लगना अभी बाकी है।

फ्रेंचाइजी के लिए सिरदर्द बने रिप्लेसमेंट

आरसीबी, एसआरएच और डीसी जैसी टीमें वर्तमान में टॉप-4 की दौड़ में बनी हुई हैं। अगर एन मौके पर उनके स्टार खिलाड़ी चले जाते हैं, तो इतने बड़े मैचों के लिए रिप्लेसमेंट ढूंढना नामुमकिन जैसा होगा। फिलहाल सभी की निगाहें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के आधिकारिक बयान पर टिकी हैं।

टी 20 डब्ल्यूसीसी से पहले इंग्लैंड को लगा तगड़ा झटका

बर्मिंघम,03 मई 2026। आईसीसी वूमेन्स टी 20 वर्ल्ड कप 2026 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। इस बीच मेजबान इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम को तगड़ा झटका लगा है। इंग्लैंड क्रिकेट टीम की कप्तान नेट साइवर-ब्रंट आगामी ओडीआई सीरीज से बाहर हो गई हैं, जिससे टीम की तैयारियों पर असर पड़ सकता है। इंग्लैंड को न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ 10 मई से तीन मैचों की ओडीआई सीरीज खेलनी है, लेकिन उससे पहले ही नेट साइवर-ब्रंट चोट के कारण टीम से बाहर हो गई हैं। बताया गया है कि यह फैसला एहतियात के तौर पर लिया गया है, क्योंकि उन्हें पिंडली में हल्की चोट लगी है।

हाल ही में लगी चोट

नेट साइवर को यह चोट उन्हें 29 अप्रैल को द ब्लेज के लिए वारविकशायर के खिलाफ वनडे कप मुकाबले के दौरान लगी थी। हालांकि, उन्होंने उस मैच में पूरा खेला, लेकिन बाद में असहजता महसूस हुई, जिसके बाद मेडिकल टीम ने जांच की सलाह दी। इसके बाद 2 मई को हुए स्कैन में चोट की पुष्टि हुई, जिसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। आने वाले दिनों में उनकी

स्थिति का दोबारा आकलन किया जाएगा। इसी कारण वह ब्रिटिश आर्मी के साथ आयोजित लीडरशिप प्रोग्राम में भी किसी शारीरिक गतिविधि में हिस्सा नहीं ले सकीं।

चार्ली डीन संभालेंगी कप्तानी

नेट साइवर की गैरमौजूदगी में टीम की कमान उपकप्तान चार्ली डीन संभालेंगी। वहीं बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए माया बाउचियर को टीम में शामिल किया गया है। गौरतलब है कि यह सीरीज इंग्लैंड के लिए काफी अहम है,क्योंकि इसके बाद टीम को टी 20 वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ टी 20 मुकाबले भी खेलने हैं। ऐसे में साइवर-ब्रंट की फिटनेस पर सभी की नजरें टिकी होंगी। फिलहाल उनकी वापसी को लेकर कोई स्पष्ट समयसीमा नहीं दी गई है, और उनकी उपलब्धता आने वाले मेडिकल आकलन के बाद तय की जाएगी।

कोलकाता ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से रौंदा

हैदराबाद,03 मई 2026। इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन का 45वां लीग मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम के बीच में हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद टीम के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद की टीम सिर्फ 165 रन पर ढेर हो गई। मेजबान टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई और 19 ओवर में ही पारी सिमट गई। हैदराबाद के लिए ट्रैविस हेड ने सबसे ज्यादा 61 रन बनाए। वहीं, इशान किशन ने 41 रनों की पारी खेली। कोलकाता के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। कोलकाता के लिए वरुण चक्रवर्ती ने सबसे ज्यादा 3 विकेट अपने नाम किए। वहीं, सुनील नरेन और कार्तिक त्यागी ने 2-2 बल्लेबाजों का शिकार किया। इसके जवाब में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 18.2 ओवर में 166 रनों का लक्ष्य 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। कोलकाता की ओर से अंगकृष रघुवंशी ने शानदार अर्धशतक जड़ा।

राजस्थान रॉयल्स को मिला नया मालिक

जयपुर,,03 मई 2026। आईपीएल के गलियारों में एक बड़ी हलचल देखने को मिली है। स्टील उद्योग के दिग्गज लक्ष्मी मित्तल ने राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी के अधिग्रहण का ऐलान कर दिया है, जिससे क्रिकेट और कारोबार दोनों जगत में चर्चा तेज हो गई है। ब्रिटेन में बसे भारतीय मूल के उद्योगपति लक्ष्मी मित्तल ने बताया कि जयपुर आधारित इस टीम को खरीदने के लिए अंतिम समझौता हो चुका है। यह सौदा करीब 1.65 अरब डॉलर यानी लगभग 15660 करोड़ रुपये में हुआ है। इस कंसोर्टियम में अदार पूनावाला और मौजूदा मालिक मनोज बदाले भी शामिल हैं।

प्लेऑफ की ओर बढ़ रही आरआर

इस घोषणा ने सभी को चौंका दिया, क्योंकि पहले अमेरिकी कारोबारी काल सोमानी के नेतृत्व वाले समूह को नया मालिक माना जा रहा था, जिसमें रॉब वॉल्टन और फोर्ड परिवार के सदस्य भी शामिल थे। 2008 में आईपीएल का पहला खिताब जीतने वाली राजस्थान रॉयल्स इस समय आईपीएल 2026 में शानदार फॉर्म में है और प्लेऑफ की ओर बढ़ रही है, जहां युवा स्टार वैभव सूर्यवंशी लगातार चमक बिखेर रहे हैं।क्रिकबज की

रिपोर्ट के मुताबिक, इस डील के तहत मित्तल परिवार टीम का नियंत्रण अपने हाथ में रखेगा और लगभग 75 प्रतिशत हिस्सेदारी उसके पास होगी। अदार पूनावाला के पास 18 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि बाकी 7 प्रतिशत हिस्सेदारी मौजूदा निवेशकों के पास बनी रहेगी।

मनोज बदाले, जो अब तक प्रमुख मालिक थे, टीम के साथ जुड़े रहेंगे और अपने अनुभव से फ्रेंचाइजी का मार्गदर्शन करते रहेंगे। इस अधिग्रहण में साउथ अफ्रीका की पार्ल रॉयल्स और कैरेबियन की बारबाडोस रॉयल्स भी शामिल हैं। हालांकि यह सौदा बीसीसीआई,सीसीआई और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की मंजूरी के बाद ही पूरा होगा, जिसकी उम्मीद 2026 की तीसरी तिमाही में की जा रही है। लक्ष्मी मित्तल का राजस्थान से खास रिश्ता है, क्योंकि उनका जन्म राज्य के सादुलपुर गांव में हुआ था। यही वजह है कि यह डील उनके लिए भावनात्मक मायने भी रखती है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला : 5.39 करोड़ की संपत्ति जब्त

कारोबारियों और सीए के घर से मिला 3 किलोमीटर गोल्ड,ईडी ने मारा था छापा

रायपुर,03 मई 2026। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने 30 अप्रैल को रायपुर,दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर में 13 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। अब तक की कार्रवाई में 53 लाख रुपए कैश, 3.234 किलो सोना और जरूरी डॉक्यूमेंट बरामद किए गए हैं। जिसकी कुल कीमत करीब 5 करोड़ 39 लाख रुपये हैं। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत की गई है। ईडी ने प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी। हालांकि किस व्यापारी के घर क्या कितना मिला,यह डिस्क्लोज नहीं किया गया है। इस घोटाले में अभी 81 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में सुनवाई चल रही है और अब तक 380 करोड़ की संपत्ति अटैच की जा चुकी है।

30 अप्रैल को पड़ी थी ईडी की रेड

30 अप्रैल को ईडी ने दुर्ग और बिलासपुर में रेड मारी थी। दुर्ग में'अमर इंफ्रा' के संचालक और भाजपा नेता चतुर्भुज राठी के निवास और दफ्तर पर दबिश दी गई थी,भिलाई में गोविंद मंडल के घर फैक्ट्री में भी जांच की गई। दूसरी ओर,बिलासपुर में बड़े सर्राफा कारोबारी विवेक अग्रवाल के घर और सदर बाजार स्थित 'श्री राम ज्वेलर्स'पर ईडी के 10 से ज्यादा अधिकारियों ने छापा मारा था। हालांकि किसके यहां से कितना कैश सोना बरामद हुआ,इसकी जानकारी ईडी अधिकारियों ने नहीं दी हैं।

ईडी को शक है कि, इन लोगों ने शराब घोटाले से जुड़ी अवैध रकम को ठिकाने लगाने और उसे वैध दिखाने में अहम रोल निभाया। ईडी की जांच में पहले ही खुलासा हो चुका है कि, साल 2019 से 2022 के बीच शराब लाइसेंस, सप्लाई और बिक्री में बड़े स्तर पर गड़बड़ी की गई। आरोप है कि इस दौरान शराब कारोबार से अवैध कमीशन वसूला गया और सरकारी सिस्टम का दुरुपयोग कर हजारों करोड़ रुपए का घोटाला किया गया। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में 2 हजार 174 करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

380 करोड़ रुपए की संपत्तियां अटैच कर चुकी है ईडी

आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा और एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की चार्जशीट के मुताबिक, इस पूरे घोटाले से करीब 2,883 करोड़ रुपए की अवैध कमाई हुई थी। मामले में अब तक कई बड़े नाम सामने आ चुके हैं। इस केस में अब तक 9 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार आरोपियों में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी,आबकारी विभाग के अफसर और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लोग शामिल हैं। जांच एजेंसी अब तक करीब 380 करोड़ रुपए की संपत्तियां अटैच कर चुकी है।

81 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में सुनवाई

शराब घोटाला मामले में 81 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में सुनवाई चल रही है। ईडी को हालिया छापेमारी में कई अहम दस्तावेज और डिजिटल सबूत भी मिले हैं, जिनकी जांच जारी है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

फरवरी 2019 में बना था सिंडिकेट

कारोबारी अनवर ढेबर ने सिंडिकेट बनाने के लिए फरवरी 2019 में जेल रोड स्थित होटल वेनिंगटन में प्रदेश के 3 डिस्टलरी मालिकों को बुलाया। इस मीटिंग में छत्तीसगढ़ डिस्टलरी से नवीन केडिया,भाटिया वाइंस प्राइवेट लिमिटेड से भूपेंदर पाल सिंह भाटिया और प्रिंस भाटिया शामिल हुए। साथ ही वेलकम डिस्टलरी से राजेंद्र जायसवाल उर्फ चुन्नू जायसवाल के साथ हीरालाल जायसवाल और नवीन केडिया के संपर्क अधिकारी संजय फतेहपुरिया पहुंचे। मीटिंग में इनके अलावा एपी त्रिपाठी और अरविंद सिंह भी मौजूद थे। मीटिंग में अनवर ढेबर ने तय किया कि डिस्टलरी से जो शराब सप्लाई की जाती है, उसमें प्रति पेटी कमीशन देना होगा। कमीशन के बदले रेट बढ़ाने का आश्वासन डिस्टलरी संचालकों को दिया गया। पैसे का हिसाब-किताब करने के लिए आरोपियों ने पूरे कारोबार को ए,बी और सी पार्ट में बांटा।

ईओडब्ल्यू ने बताया कि,विदेशी शराब पर सिंडिकेट द्वारा लिए गए कमीशन का विश्लेषण किया जा रहा है। इस मामले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा,अरुणपति त्रिपाठी,अरविंद सिंह,अनवर ढेबर,त्रिलोक सिंह ढिल्लन,अनुराग द्विवेदी,अमित सिंह, दीपक दुआरी,दिलीप टुटेजा और सुनील दत्त को गिरफ्तार किया गया है। कई आरोपी बेल में बाहर है,तो कई की तलाश ईडी और एसीबी के अफसर कर रहे है।

छत्तीसगढ़ : रेप करने वाले कृषि अधिकारी को उम्रकैद

पहले संबंध बनाए,गवर्नमेंट जॉब लगते ही कहा... नीची जाति की सतनामी लड़की से शादी नहीं करूंगा

रायपुर,03 मई 2026। छत्तीसगढ़ के बालोद के रहने वाले कृषि विस्तार अधिकारी देवनारायण साहू को रेप के आरोप में उम्रकैद की सजा हुई है। आरोपी ने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के दौरान अपनी कॉलेज की फ्रेंड से दोस्ती की थी, कई सालों के अफेयर के बाद उसे शादी का झांसा दिया और शारीरिक संबंध बनाए। साल 2024 में जब देवनारायण की गवर्नमेंट जॉब लगी तो उसने युवती को 'नीची जाति' की सतनामी कहकर शादी से साफ मना कर दिया। 2 मई को इस केस में रायपुर की स्पेशल कोर्ट ने आरोपी को SC/ST एक्ट समेत कई धाराओं में दोषी माना और उसे उम्रकैद की सजा सुनाई। सरकारी वकील उमाशंकर वर्मा ने बताया कि, पीड़िता बिलासपुर जिले की रहने वाली है। वो देवनारायण साहू के साथ जगदलपुर के एग्रीकल्चर कॉलेज में साथ पढ़ती थी। बाद में दोनों रायपुर में एग्रीकल्चर कोचिंग भी करने लगे। इसी दौरान आरोपी ने युवती को प्रपोज किया। पीड़िता ने कोर्ट में बताया कि उसने शुरुआत में रिलेशनशिप से मना कर दिया था, क्योंकि दोनों की जाति अलग थी और उसे शादी होने की उम्मीद नहीं थी। लेकिन आरोपी ने भरोसा दिलाया कि नौकरी लगने के बाद शादी करेगा।

रायपुर के किराए के मकान में पहली बार बनाया संबंध : कोर्ट रिकॉर्ड के मुताबिक,फरवरी 2021 में आरोपी ने युवती को रायपुर के धरमपुरा स्थित अपने किराए के मकान में बुलाया। वहां शादी का भरोसा देकर उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया। पीड़िता ने बयान में कहा कि, 2023-24 के दौरान भी आरोपी लगातार शादी का वादा कर संबंध बनाता रहा।

रायपुर में चिट्टा बेचने वाले 4 तस्कर गिरफ्तार

दुर्ग-रायपुर के सप्लायर चिट्टा देने पहुंचे थे नरैय्या तालाब,पुलिस ने घेराबंदी करके दबोचा

रायपुर,03 मई 2026। राजधानी में मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार कार्रवाई के बीच पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। चिट्टा (हेरोइन) की सप्लाई करने वाले दुर्ग कनेक्शन से जुड़े 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 11.99 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है, जिसकी कीमत लगभग 2.40 लाख रुपए आंकी गई है। आरोपियों का नाम पुलिस द्वारा दुर्ग निवासी राजवीर सिंह,टिकरापारा निवासी मोहम्मद अयान,बैजनाथ पारा निवासी उबैद रजा,और बैरन बााजर निवासी मोहम्मद सरीफ बताया जा रहा है। आरोपियों पर आगे की कार्रवाई पुलिस कर रही है। कोतवाली पुलिस को 3 मई को सूचना मिली थी कि कोतवाली थाना क्षेत्र के नरैय्या तालाब स्थित सुलभ शौचालय के पास कुछ युवक चिट्टा लेकर ग्राहकों की तलाश कर रहे हैं। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और संदिग्धों की पहचान की। जैसे ही पुलिस ने कार्रवाई शुरू की,आरोपी भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर चारों को पकड़ लिया गया। पूछताछ में उनकी पहचान राजवीर सिंह, मोहम्मद अयान,उबैद रजा और मोहम्मद शरीफ के रूप में हुई। आरोपियों की तलाशी में पुलिस ने हेरोइन बरामद की। आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत पुलिस कार्रवाई कर रही है।

सरहदी जिलों से बढ़ी सप्लाई, नेटवर्क की जांच जारी : पुलिस अधिकारियों के अनुसार,कमिश्नरेट क्षेत्र में बढ़ते दबाव के कारण अब मादक पदार्थों की सप्लाई सरहदी जिलों से की जा रही है। इस मामले में दुर्ग कनेक्शन भी सामने आया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक खंगाले जा रहे हैं, ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। पुलिस का कहना है कि इस मामले में और भी आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकती है।

उपमुख्यमंत्री के दौरे के बीच कांग्रेस का हल्लाबोल

रसोई गैस के बढ़ते दाम पर फूटा गुस्सा,केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

गरियाबंद,03 मई 2026। जिला मुख्यालय में आज भारी गहमागहमी का माहौल रहा। एक ओर जहां नगरपालिका द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव शिरकत करने पहुंचे थे,तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों के विरोध में मोर्चा खोल दिया।

गैस की मूल्य वृद्धि के खिलाफ 'अनोखा प्रदर्शन'

प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार,जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा के निर्देश में जिला कांग्रेस द्वारा गैस की मूल्य वृद्धि के खिलाफ अपना 'अनोखा प्रदर्शन' शुरू किया। दिलचस्प और तनावपूर्ण बात यह रही कि जहां कांग्रेसी प्रदर्शन कर रहे थे, वहां से महज कुछ ही मीटर की दूरी पर उपमुख्यमंत्री का कार्यक्रम प्रस्तावित था।

पुलिस का सख्त पहरा, सुरक्षा के कड़े इंतजाम : उपमुख्यमंत्री की सुरक्षा और कांग्रेस के उग्र प्रदर्शन को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए थे। पूरे तिरंगा चौक और कार्यक्रम स्थल के आसपास के क्षेत्र को पुलिस छावनी में बदल दिया गया था। गैस की महंगाई पर सरकार को घेरते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार महंगाई पर लगाम लगाने में नाकाम रही है। घरेलू गैस के बढ़ते दामों ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। इसी जन-आक्रोश को दर्ज कराने के लिए उन्होंने तिरंगा चौक को चुना,ताकि सत्ता के गलियारों तक उनकी आवाज पहुँच सके। रसोई गैस सिलेंडर के लगातार बढ़ते दामों को लेकर कांग्रेस पार्टी का गुस्सा अब सड़कों पर दिखाई देने लगा है। महंगाई से त्रस्त आम जनता की आवाज बनते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार धरना प्रदर्शन किया और केंद्र एवं राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार की गलत नीतियों के कारण घरेलू बजट पूरी तरह बिगड़ गया है और आम लोगों के लिए दो वक्त की रोटी जुटाना भी मुश्किल होता जा रहा है। जिला कांग्रेस भवन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी एकत्रित हुए, जिन्होंने हाथों में तख्तियां लेकर 'महंगाई कम करो ','गैस सिलेंडर के दाम वापस लो' जैसे नारे लगाते हुए तिरंगा चौक की ओर रैली के रूप में बढ़े,लेकिन पुलिस की चुस्त व्यवस्था के चलते कांग्रेस की रैली को जय स्तंभ चौक में में रोक दिया गया। वही प्रदर्शनकारियों ने कहा कि रसोई गैस के दामों में लगातार हो रही वृद्धि से सबसे ज्यादा असर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। उपमुख्यमंत्री के दौरे के दौरान हुए इस विरोध प्रदर्शन ने न केवल शहर का सियासी पारा बढ़ा दिया,बल्कि सुरक्षा एजेंसियों को भी घंटों मशक्कत करने पर मजबूर कर दिया। फिलहाल,पुलिस की मुस्तैदी की वजह से कोई बड़ी अप्रिय घटना नहीं हुई।

इस दौरान पवन सोनकर,रमेश शर्मा, सन्नी मेमन नीरज ठाकुर प्रभारी महामंत्री छगन यादव,अमित मिरी,प्रेम सोनवानी, रमीज राजा,जुनैद खान,चंद्रभूषण चौहान,चेतन सिन्हा,राम नारायण साहू,रमेश वर्मा,योगेश्वर साहू,हेमलता सिन्हा,पदमा यादव,प्रकाश कोमर्रा,अहसान मेमन,अनीश मेमन,घनश्याम ओगरे,भुनेश्वर सिन्हा,बुढ़ान सिंह ठाकुर, प्रहलाद यादव,नरेंद्र सिन्हा उपस्थित थे।

पुलिस लाइन में शहीद 4 जवानों को दी गई अंतिम विदाई

नारायणपुर,03 मई 2026। कांकेर और नारायणपुर जिले की सीमा पर हुए एक दर्दनाक आईईडी ब्लास्ट में 4 डीआरजी जवान शहीद हो गए थे। आज नारायणपुर पुलिस लाइन में इन बहादुर जवानों को पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। आईजी सुंदरराज पी सहित पुलिस अधिकारी की मौजूदगी में आज जवानों के पार्थिव शरीर को उनके गृहग्राम रवाना किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, डीआरजी की एक टीम नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी का पता लगाने और बारूदी सुरंगों को निष्क्रिय करने का अभियान चला रही थी, इसी ऑपरेशन के दौरान आईईडी ब्लास्ट हो गया। इस ब्लास्ट की चपेट में आने से डीआरजी के 3 जवान शहीद हो गए और एक जवान घायल हो गया। बेहतर इलाज के लिए घायल जवान को रायपुर रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। इस घटना में दल का नेतृत्व कर रहे डीआरजी के निरीक्षक सुखराम वट्टी, जिला बल के आरक्षक कृष्णा कुमार कोमरा, बस्तर फाइटर्स के आरक्षक संजय गढ़पाले ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, वहीं बस्तर फाइटर्स के एक आरक्षक परमानंद कोर्राम ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। फिलहाल धमाके के सही कारण का पता लगाने के लिए विस्तृत बैलिस्टिक और फोरेंसिक जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

सीबीआई ने कोयला परिवहन घोटाले की जांच शुरू की

रायगढ़,03 मई 2026। जिले के पुसौर ब्लॉक स्थित एनटीपीसी लारा प्लांट में कोयला परिवहन से जुड़ा एक बड़ा घोटाला सामने आया है। आरोप है कि 575 ट्रेलर कोयले से लदे वाहन प्लांट तक पहुंचे ही नहीं और रास्ते में ही गायब हो गए। इस मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला करीब तीन साल पुराना बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, कोयला परिवहन में लगे ट्रांसपोर्टरों और एनटीपीसी के कुछ अधिकारियों की कथित मिलीभगत से यह गड़बड़ी सामने आई है। बताया जाता है कि जब यह मामला सामने आया, तब एनटीपीसी प्रबंधन ने इसे गंभीरता से लेते हुए सीबीआई को शिकायत सौंपी थी।

जनगणना ड्यूटी में बाधा : शिक्षक से मारपीट

आईडी कार्ड फाड़ा,आरोपी पर एफआईआर दर्ज

बिलासपुर,03 मई 2026। जिले के बिल्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घोगरा में जनगणना ड्यूटी पर तैनात एक शिक्षक के साथ मारपीट और अभद्रता का मामला सामने आया है। शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए आरोपी ने न केवल शिक्षक से धक्का-मुक्की की, बल्कि उनका सरकारी पहचान पत्र (आईडी कार्ड) भी फाड़ दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ड्यूटी के दौरान हुआ विवाद

जानकारी के अनुसार, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला उड़नताल में पदस्थ शिक्षक नेतराम पैकराय की ड्यूटी जनगणना कार्य में लगी थी। शनिवार सुबह करीब 10 बजे वे ग्राम घोगरा में सर्वे कार्य के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान मकान नंबर 141 के पास गांव का निवासी निर्मल सतनामी उनसे बहस करने लगा।

मारपीट कर फाड़ा आईडी कार्ड

देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपी ने शिक्षक के साथ धक्का-मुक्की करते हुए मारपीट शुरू कर दी। शिक्षक द्वारा समझाने के बावजूद आरोपी नहीं माना और उनका आईडी कार्ड छीनकर फाड़ दिया।

पंचायत भवन में भी हंगामा

घटना के बाद शिक्षक जब शिकायत करने पंचायत भवन पहुंचे, तो आरोपी वहां भी पहुंच गया। सरपंच की मौजूदगी में उसने शिक्षक का कॉलर पकड़ लिया और धमकी दी। मौके पर मौजूद ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों के हस्तक्षेप से स्थिति को शांत कराया गया।

पीछा कर डराने का आरोप

पीड़ित शिक्षक के अनुसार, जब वे वहां से डगौरी की ओर निकले, तब भी आरोपी ने चुराघाट तक उनका पीछा कर उन्हें डराने की कोशिश की। घटना की सूचना मिलने के बाद बिल्हा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने, मारपीट और धमकी देने की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले की जांच जारी है।

देश का 'ड्रग हब' बना ओडिशा! पुलिस ने जंगल में 'मोबाइल हशीश फैक्ट्री' का किया भंडाफोड़,100 करोड़ का माल जब्त

जगदलपुर,03 मई 2026। छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य ओडिशा से एक बार फिर चौंकाने वाली खबर सामने आई है। लंबे समय से गांजा तस्करी के लिए कुख्यात मलकानगिरी-कोरापुट बेल्ट में पुलिस ने एक बड़े ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए जंगलों में संचालित 'मोबाइल हशीश फैक्ट्री' को ध्वस्त कर दिया है। इस कार्रवाई में करीब 100 करोड़ रुपए कीमत का हशीश ऑयल जब्त किया गया है। जानकारी के अनुसार, मलकानगिरी जिले के चित्रकोंडा इलाके के घने जंगलों में यह अवैध फैक्ट्री संचालित की जा रही थी। कोरापुट रेंज के डीआईजी डॉ. केवी सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने सटीक इनपुट के आधार पर यह सर्जिकल ऑपरेशन अंजाम दिया। छापेमारी के दौरान मौके से करीब 800 लीटर हशीश ऑयल बरामद किया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 100 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। इसके अलावा 50 किलो गांजा और ऑयल बनाने के अत्याधुनिक उपकरण भी जब्त किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह कोई साधारण तस्करी का मामला नहीं था, बल्कि जंगल के भीतर हाईटेक तरीके से तैयार की गई एक 'मोबाइल यूनिट' थी। यहां गांजे को प्रोसेस कर बड़े पैमाने पर हशीश ऑयल तैयार किया जा रहा था, जिसे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के जरिए सप्लाई करने की योजना थी।

सिंडिकेट के 'असली आका' अब भी गायब : सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि पूरी यूनिट को इस तरह डिजाइन किया गया था कि जरूरत पड़ने पर इसे कुछ ही मिनटों में समेटकर दूसरी जगह शिफ्ट किया जा सके। हालांकि, पुलिस की दबिश की भनक लगते ही तस्कर मौके से फरार हो गए और जंगल का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क की जड़ें काफी गहरी हैं और यह एक संगठित गिरोह का हिस्सा हो सकता है। फिलहाल इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

मवेशी तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली,5 पुलिस के हत्थे चढ़े

जांजगीर-चांपा,03 मई 2026। जिले की शिवरीनारायण पुलिस को मवेशी तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अंतर्राज्यीय मवेशी तस्करी गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 15 नग भैंस और तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे तीन पिकअप वाहन जब्त किए गए हैं। जब्त किए गए मवेशियों की कीमत करीब 2 लाख 25 हजार रुपये बताई जा रही है, जबकि परिवहन में प्रयुक्त तीनों पिकअप वाहनों की कीमत लगभग 18 लाख रुपये है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी भैंसों को तस्करी कर ओडिशा के बूचड़खाने ले जा रहे थे। सभी आरोपी ओडिशा के बरगढ़ जिले के रहने वाले हैं। गिरफ्तार आरोपियों में मुकेश ऐडजा, राजेश मांझी, निरंजन कोलारी, रूपेश कुमार और प्रकाश राणा शामिल हैं।

ghatatighatana.com
संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
दैनिक घटती घटना
संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

रोजगार का सुनहरा अवसर
दैनिक समाचार पत्र "घटती-घटना" में कार्य करने का मौका

योग्य, कर्मठ एवं जुझारू महिला/पुरुष उम्मीदवारों से निम्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित हैं –

क्र.सं.	पद	संख्या	वेतन
01	समाचार संपादक	1 पद	₹10,000 से ₹15,000
02	प्रबंध संपादक	1 पद	₹10,000 से ₹15,000
03	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	₹10,000 से ₹15,000
04	ब्यूरो चीफ	1 पद	₹10,000 से ₹15,000
05	संवाददाता	2 पद	₹8,000 से ₹12,000
06	कंप्यूटर ऑपरेटर	2 पद	₹8,000 से ₹12,000
07	कार्यालय अटेंडर	1 पद	₹6,000 से ₹8,000

विशेष निर्देश:
फोन पर संपर्क न करें
इच्छुक उम्मीदवार स्वयं बायोडाटा के साथ कार्यालय में उपस्थित हों
मौका न चूकें!
पता: कार्यालय – दैनिक समाचार पत्र "घटती-घटना" शनि मंदिर के पास, नमनाकला, अंबिकापुर (छत्तीसगढ़)
मोबाइल: 98265-32611
इस सूचना को अधिक से अधिक शेयर करें ताकि जरूरतमंदों तक पहुँच सके!

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)